सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 75 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 28 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बोर्ड परीक्षा से पहले होंगे नगरीय निकाय चुनाव, ईवीएम नहीं बैलेट पेपर से मतदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बोर्ड परीक्षा के पहले नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम व नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने स्पष्ट किया है कि नगरीय निकाय चुनाव व पंचायत चुनाव इस ईवीएम से नहीं बल्की बैलेट पेपर से होंगे। डिप्टी सीएम अरुण साव ने शुक्रवार को अपने निवास कार्यालय में मीडिया से चर्चा के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार नगरीय निकाय चुनाव व पंचायत चुनाव में बैलेट पेपर का प्रयोग करने का फैसला सरकार ने लिया है। उम्मीदवार अधिक होने की वजह से ऐसा किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव एक साथ होंगे। दोनों चुनाव में वोट बैलेट पेपर से डाले जाएंगे। इसकी तैयारी राज्य निर्वाचन आयोग ने कर ली है। साव ने बताया कि, पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव को लेकर सरकार ने बहुत पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। इस बार बहुत सारी चीजें हुई है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पालन में आरक्षण पद्धति बदली गई। पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया और उसकी रिपोर्ट के आधार पर ही आरक्षण हो रहा है।

प्रत्यक्ष प्रणाली से होगा महापौर और अध्यक्ष का चुनाव

इसबार निकायों में महापौर और अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से करने का निर्णय लिया गया है। साय सरकार ने पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा अपनाई गई अप्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव के फैसले को पलट कर नया निर्णय लिया। पहले की तरह अब महापौर व अध्यक्ष के लिए अलग से वोटिंग होगी। पार्षद प्रत्याशियों के साथ महापौर व अध्यक्ष के लिए भी अलग से वोटिंग की जाएगी। प्रदेश सरकार महापौर व अध्यक्ष के चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए ऐसा कर रही है। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से ही यहां प्रत्यक्ष प्रणाली से महापौर और अध्यक्ष का चुनाव होता आया है।

सरकार जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जैसे ही आरक्षण की प्रकिया समाप्त होगी, उसकी सूचना चुनाव आयोग को भेजी जाएगी और उसके बाद वे चुनाव के कार्यक्रम घोषित करेंगे। साव ने बताया कि, पहले मतदाता सूची साल में एक बार तैयार की जाती थी। अब हर तीन महीने में सूची बनाने का निर्णय लिया है, ताकि नए मतदाताओं को अपने नाम जुड़वाने में आसानी हो। डिप्टी सीएम साव ने कहा कि 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं मार्च से शुरू हो रही है। उम्मीद है कि सभी चुनाव बोर्ड परीक्षा से पहले करा लेंगे।

7 जनवरी को होगा अध्यक्ष और महापौर का आरक्षण

डिप्टी सीएम साव ने कहा कि नगरीय निकायों में 7 जनवरी तक अध्यक्ष और महापौर पद के लिए आरक्षण निर्धारित की जाएगी। प्रदेश में कई नए निकाय बने हैं। नगर पंचायतों को नगर पालिका बनाया गया हैं। इन सब की तैयारी में काफी समय लगा। इसके कारण थोड़ा विलंब हुआ है लेकिन अब पूरी तैयारियां कर ली गई हैं।

नगर निगम, पालिका व नगर पंचायत के चुनाव एक साथ

बता दें सरकार ने इस बार नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत के चुनाव एक साथ कराने का निर्णय लिया है। अब तक आशंका जताई जा रही थी कि निकाय चुनाव अप्रैल मई तक टल सकते हैं लेकिन डिप्टी सीएम अरुण साव ने इस संशय से परदा उठा दिया है। वार्डों के आरक्षण के बाद अब महापौर व अध्यक्षों के आरक्षण पर नजर है। भाजपा व कांग्रेस दोनों ही दल के दावेदार इस पर नजर रखे हुए हैं। प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव की घोषणा के बाद दावेदारों की भी लंबी फेहरिस्त बन गई है। आरक्षण की कार्रवाई पूरी होने के बाद दोनों ही दल अपनी-अपनी स्थिति साफ करेंगे।

खास-खबर

पिकनिक मनाने गए दो युवक हसदेव नदी में डूबे, एक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

कोरबा। जांजगीर-चांपा जिले में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हो गया। जिले के पंतोरा क्षेत्र स्थित देवरी पिकनिक स्पॉट पर हसदेव नदी में नहाते समय दो युवक गहरे पानी में डूब गए। जिसमें एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरे युवक की तलाश जारी है।

मिली जानकारी के मुताबिक़, कोरबा जिले के दीपका एमडी टाइप कॉलोनी निवासी कुछ परिवार शुक्रवार को देवरी गांव के पास हसदेव नदी में पिकनिक मनाने गए थे। इस दौरान नहाने गए दो युवक पानी के तेज बहाव में बह गए।

बलौदा थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने बताया कि घटना शुक्रवार दोपहर करीब 2:30 बजे की है। सुमित सिंह (19) और अश्वनी सिंह (24) नदी में नहा रहे थे, तभी पानी के तेज बहाव में बह गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से अश्वनी सिंह का शव बरामद कर लिया गया है लेकिन सुमित सिंह का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बिलासपुर से एसडीआरएफ की टीम भी घटनास्थल पहुंच गई है. रात होने के कारण खोजबीन रोक दी गई थी । आज से सुमित की तलाश फिर से शुरू की जाएगी। पुलिस ने बताया कि इलाके में तेज बहाव और गहराई के कारण लोगों को नदी के पास सतर्क रहने की सलाह दी गई है। वही पिकनिक मनाने जा रहे परिवारों को भी इस बात का ध्यान रखना चहिए कि पानी की आस पास बिना सुरक्षा के ना जाए।

पूर्व मंत्री कवासी और बेटे के घर ईडी की रेडः शराब घोटाले में लखमा को हर महीने मिलते थे 50 लाख

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और बेटे हरीश कवासी के घर ईडी ने छापेमारी की है। रायपुर के धरमपुरा स्थित कवासी लखमा के बंगले में टीम पहुंची है। बंगले में बड़ी संख्या में सीआरपीएफ जवान मौजूद हैं। कवासी के करीबी सुशील ओझा के चौबे कॉलोनी स्थित घर में भी ईडी ने छापा मारा है। सुकमा जिले में हरीश कवासी और नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू के घर पर भी दबिश दी गई है।

बता दें कि शराब घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा पर एफआईआर दर्ज है। जिन्हें हर महीने 50 लाख दिए जाने का जिक्र है। वहीं कवासी लखमा के बेटे वर्तमान में जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। अधिकारियों की टीम उनके घर पर भी दस्तावेज खंगाल रही है। बड़ी संख्या में सीआरपीएफ जवान उनके घर के बाहर मौजूद हैं। बता दें शराब व कोयला घोटाले में ईडी ने छत्तीसगढ़ में 100 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर की है।

पंचतत्व में विलीन हुए मनमोहन सिंह

राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार, सेना ने दी सलामी

नई दिल्ली ए.। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को निगम बोधघाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके पार्थिव शरीर को सेना की तोपगाड़ी पर दिल्ली के निगमबोध घाट लाया गया। यहां तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद राजकीय सम्मान के बाद अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं।

मनमोहन की पत्नी गुरशरण कौर, बड़ी बेटी उपिंदर सिंह (65), दूसरी बेटी दमन सिंह (61) और तीसरी बेटी अमृत सिंह (58) निगम घाट पर मौजूद थे। परिवार ने प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की।

निगमबोध घाट में राष्ट्रपति मुर्मु, प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ भी उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। सोनिया, प्रियंका, राहुल और कांग्रेस के बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार के दौरान भी मनमोहन सिंह को उनकी पसंदीदा नीली पगड़ी पगड़ी पहनाई गई। उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी को याद रखने के लिए उसके एक रंग को अपनी पगड़ी का सिग्नेचर कलर बना लिया था।

डॉ. मनमोहन सिंह की पार्थिव देह को सुबह 9:30 बजे उनके आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया गया था। इसके बाद अंतिम यात्रा शुरू हुई। राहुल गांधी पार्थिव देह के साथ गाड़ी में बैठे थे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। वे लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली एम्स लाया गया था। हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में खुलेंगे 17 नए थाने, 14 जिलों में नए पुलिस थानों को मिली मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मजबूत पुलिसिंग के लिए सरकार ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 17 नए पुलिस थाने खुलेंगे। प्रदेश के 14 जिलों में नए पुलिस थानों को मंजूरी मिल गई है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के जिन 14 जिलों में नए पुलिस थानों को मंजूरी मिली है उनमें राजधानी रायपुर, बलौदाबाजार, महासमुंद, धमतरी, सारंगढ़ बिलाईगढ़, कोरबा, जशपुर, बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, बीजापुर, नारायणपुर व सुकमा शामिल हैं। इन सभी जिलों में लगभग 29 नए थानों को मंजूरी मिली हैं। इनमें से ज्यादातर थाने नक्सल प्रभावित जिलों के है। नक्सल प्रभावित जिलों में 17 नए थानों को मंजूरी दी गई है। नए थाने की मंजूरी मिलने से दूरस्त इलाकों में पुलिस की पकड़ मजबूत होगी।

गाय की खाल ले जाते पकड़ाया ट्रक, लोगों ने की चालक की पिटाई, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के आगे लोगों ने एक ट्रक को रुकवाया और ट्रक चालक की जमकर धुनाई कर दी। दरअसल ट्रक में गाय की खाले भरी हुई थी। भारी मात्रा में गाय की खाल को नागपुर से लोडकर लाया जा रहा था। इस बीच इसकी जानकारी मिलने पर राजनांदगांव से ट्रक का पीछा गया और कुम्हारी में पहुंचकर उसे पकड़ा गया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक

को जब्त कर लिया और चालक को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक एमएच 49 एटी 4134 नागपुर से चलकर रायपुर की ओ जा रही थी। बताया जा रहा है कि जब ट्रक राजनांदगांव पहुंची तो कुछ लोगों को जानकारी हुई इसमें भारी मात्रा में गोवंश की खाल भरी हुई है। इसके बाद राजनांदगांव से ही ट्रक का पीछा कर रोकने का प्रयास किया गया। हालांकि रफ्तार अधिक होने के कारण वे पिछड़ते गए और आखिरकार कुम्हारी में ट्रक को रोका गया। लोगों ने जब ट्रक रोककर देखा तो उसमें भारी मात्रा में गोवंश की खाल भरी हुई थी। इसके बाद लोगों ने चालक की धुनाई कर दी और पुलिस को सौंपा। कुम्हारी पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया। फिलहाल कुम्हारी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केशकाल घाट रोड : 3 जनवरी से शुरू होगा वाहनों का आवागमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। बस्तर संभाग को सड़क मार्ग से छत्तीसगढ़ से जोडने वाली बस्तर की लाईफलाईन कही जाने वाली कोंडागांव के केशकाल घाट का मरम्मत कार्य पूरा होने वाला है। जिला प्रशासन ने दावा किया है कि अगले 8 दिन में कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। अर्थात नव वर्ष 2025 में 3 जनवरी को सभी वाहनों के लिए फूलो की घाटी केशकाल घाट नये कलेवर के साथ सज-घजकर पूर्ववत शुरू कर दिया जाएगा।

बता दें केशकाल घाट की सड़क का मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण नहीं होने के कारण कोंडागांव जिला प्रशासन ने चौथे चरण में अब अगले आठ दिनों के लिए 26 दिसंबर से 2 जनवरी 2025 तक केशकाल घाट को बंद रखने आदेश जारी किया है। इस दौरान वाहन अपने तय परिर्वतित मार्ग पर ही चलेंगे। केशकाल घाट में पिछले 46 दिनों से मरम्मत कार्य चल रहा है, अब तक 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

गौरतलब है कि केशकाल घाट में मरम्मत कार्य 10 नवंबर को शुरू हुआ था। सड़क निर्माण कंपनी सरफेस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड जगदलपुर ने केशकाल घाट में मरम्मत के लिए नेशनल हाईवे विभाग में योजना प्रस्तुत करते 30 दिनों के लिए घाट बंद करने मांग की थी। कोंडागांव जिला प्रशासन ने पहले चरण में मात्र 16 दिनों के लिए 10 से 25 नंवबर तक घाट को बंद करने स्वीकृति दी थी। इस दौरान 50 प्रतिशत भी काम पूरा नहीं हो सका। दूसरे चरण में फिर से 15 दिनों के लिए 26 नवंबर से 10 दिसंबर तक घाट बंद रखने जिला प्रशासन ने आदेश जारी किया, लेकिन 10 दिसंबर तक भी यह कार्य पूर्ण नहीं हो सका। एक बार फिर तीसरे चरण में 11 दिसंबर से 25 दिसंबर तक के लिए घाट को बंद रखा गया था। इस दौरान कार्य तो हुए लेकिन अंतिम 5 प्रतिशत कार्य शेष रह गया। चौथे चरण में 26 दिसंबर से 2 जनवरी 2025 तक केशकाल घाट को बंद रखने आदेश जारी करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने वाले तीसरे सबसे युवा भारतीय बने नीतीश

नीतीश व वासिंगटन सुंदर की साजेदारी से बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत की वापसी

मेलबर्न ए.। बार्डर गावस्कर ट्राफी के तहत मेलबर्न में खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन भारत ने वापसी कर ली है। एक समय भारत पर फालोऑन का खतरा मंडरा रहा था लेकिन नीतीश रेड्डी के शतक ने न सिर्फ फॉलोऑन बचाया बल्कि भारत की मैच में वापसी भी करा दी। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत 9 विकेट पर 358 बना लिए हैं। भारत अभी भी 116 रनों से पीछे हैं। नीतीश रेड्डी 105 नाबाद व मो सिराज 2 नाबाद क्रीज पर हैं।

इस टेस्ट मैच के हीरो नीतीश कुमार रेड्डी हैं जिन्होंने मेलबर्न में अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया है। उन्होंने 171 गेंद में बोलैंड की गेंद पर चौका लगाकर शतक लगाया। उन्होंने टेस्ट में पहली बार पचास से ज्यादा रन बनाए और उस पारी को शतक में बदल दिया। नीतीश इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे सबसे युवा भारतीय बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर और ऋषभ पंत हैं। नीतीश के लिए यह शतक इसलिए भी खास है क्योंकि उनके पिता मुतयाला रेड्डी दर्शक दीर्घा मैच देख रहे थे। अपने पिता के सामने शतक लगाने के बाद नीतीश भावुक भी हो गए।

21 साल 216 दिन की उम्र में लगाया शतक

नीतीश ने 21 साल 216 दिन की उम्र में ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाया। सचिन ने 1992 में सिडनी में 18 साल 253 दिन की उम्र में शतक जड़ा था। वहीं, पंत ने 2019 में सिडनी में 21 साल और 91 दिन की उम्र में शतक बनाया था। इसके बाद नीतीश का नंबर आता है। वहीं, चौथे स्थान पर दत्तू फडकर हैं। उन्होंने एडिलेड में 1948 में 22 साल और 42 दिन की उम्र में शतक बनाया था। नीतीश इस पारी में आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। इससे पहले ऐसा सिर्फदो बार हुआ है जब टेस्ट में आठ या इससे नीचे बल्लेबाजी करने वाले युवा खिलाड़ी ने शतक बनाया हो। अबुल हसन ने 20 साल 108 दिन व अजय रात्रा ने 20 साल 150 दिन की उम्र में ऐसा किया था।

शिक्षकों को साल में 50 घंटे की ट्रेनिंग

श्रीकंचनपथ

एक तरफ प्रदेश में प्रायमरी स्कूलों में पढ़ा रहे बीएड डिग्री धारक शिक्षकों की लगी पड़ी है तो वहीं दूसरी तरफ स्कूलों में तैनात शिक्षकों को साल में 50 घंटे की ट्रेनिंग देने की तैयारी चल रही है। बीएड धारक प्रायमरी शिक्षक लंबी पदयात्रा के बाद से धरना दे रहे हैं। धरना स्थल पर सामूहिक मुंडन भी करवाया गया। भले ही हाईकोर्ट ने अर्हता के आधार पर फैसला दिया हो पर यह मामला सिर्फअर्हता का नहीं है। यह लगी लगाई सरकारी नौकरी के हाथ से निकल जाने का है। एक शिक्षक केवल शिक्षक नहीं होता। वह बेटा, भाई, पति और पिता भी होता है। रोजगार उसका अधिकार और परिवार का पालन पोषण उसकी जिम्मेदारी है। नौकरी लगने के बाद लाइफ स्टाइल में भी परिवर्तन आते हैं। एकाएक नौकरी चली जाए तो उसके संसार में भूचाल आ जाता है। इस मानवीय पहलू की विवेचना किए बिना न्याय नहीं किया जा सकता। बहरहाल, वह मामला जब सुलटेगा तब सुलटेगा फिलहाल आते हैं नौकरी कर रहे शिक्षकों पर। इन शिक्षकों को भी अब साल में 50 घंटे की ट्रेनिंग पूरी करनी होगी। पदोन्नति और वेतनवृद्धि के लिए यह जरूरी होगा। अब तक यही होता रहा है कि नियुक्ति की शर्तें पूरी करने वाले शिक्षकों को सात दिनों की ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें नियुक्ति दे दी जाती थी। वहां ऊर्जावान शिक्षक और निस्तेज शिक्षक एक ही तराजू से तौले जाते थे। दोनों को समय आने पर एक जैसी वेतनवृद्धि मिलती थी। वरीयता के आधार पर पदोन्नति भी मिल जाती थी। विशेष दक्षता प्राप्त शिक्षकों को अलग से कोई लाभ नहीं मिलता था। नए दौर में ट्रेनिंग भी नौकरी का एक अहम हिस्सा है। किसी-किसी क्षेत्र में जहां रिफ्रेशर कोर्सेस का चलन होता है वहीं कुछ क्षेत्रों में स्किल डेवलपमेंट के क्लासेस होते हैं। किसी-किसी क्षेत्र में कार्मिकों की ऊर्जा का स्तर बढ़ाने के लिए मोटिवेशन सत्रों का भी आयोजन किया जाता है। निजी स्कूलों ने संगठन बनाकर इस दिशा में काफी पहले ही कदम बढ़ा दिये हैं। वहां टीचिंग मेथड्स, लैंग्वेज टीचिंग स्किल्स के मास्टर क्लासेस होते हैं। इसका लाभ शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी मिलता है। 50 घंटे की ट्रेनिंग का मकसद भी ऐसा ही कुछ करने का है। दरअसल, स्कूल ही देश को उसके भावी नागरिक देता है। यही वह आधार है जिसपर उच्च शिक्षा का ढांचा खड़ा है। अगर स्कूली शिक्षा बेढंगी हुई तो इसका खामियाजा विद्यार्थी के साथ-साथ देश को भी भुगतना पड़ता है। एक समय था जब मैट्रिक पास भी पढ़ा लिखा लगता था। उसके पास भाषा की ताकत होती थी, विश्लेषण की क्षमता होती थी। अब ऐसी बात नहीं रही। ऐसे-ऐसे पोस्ट ग्रेजुएट मिल जाएंगे जो बिना गलती के एक चिट्ठी नहीं लिख सकते। अधिकांश शिक्षक स्कूलों में पढ़ाने नहीं बल्कि ड्यूटी करने जाते हैं। उम्मीद है कि सालाना 50 घंटे की ट्रेनिंग उनमे नई ऊर्जा भरेगी और इसका लाभ सबको मिलेगा।

संपादकीय

बच्ची पर गुस्सा क्यों, खुद पर क्यों नहीं

आम लोगों की जिंदगी में आए दिन ऐसा होता है कि महज कुछ देर के अत्यधिक गुस्से के कारण पूरा परिवार लंबे समय के लिए परेशान होता है। पति को जेल भेज दिया जाता है, पत्नी अस्पताल में लंबे समय तक इलाज कराने के लिए भर्ती रहती है और बच्चे को रिश्तेदारों के रहमो-करम पर रहना पड़ता है। यह गुढियारी में एक परिवार में हुई घटना का परिणाम है।घटना बहुत छोटी सी है, पर परिणाम बहुत ही बुरा है। हुआ यह कि पिता सुनील जनबंधु ने अपने 10 साल की कक्षा चौथी में पढ़ने वाली दस साल की बेटी सोनम से आम पिता की तरह पढ़ाई कैसी चल रही है जानने के लिए पहाडा पूछा तो सोनम बता नहीं पाई। बेटी का पहाड़ा न आने पर पिता ने खूब पीटा। उनको इस बात पर गुस्सा आया कि मेरी बेटी को पहाड़ा नहीं आता।

> ***वह सोच नहीं पाए कि कई बच्चे पढ़ाई में कमजोर होते है,जो कुछ स्कूल में पढ़ाया जाता है, वह घर आकर भूल जाते हैं या किसी के पूछने पर बता नहीं पाते है, कई बच्चे ऐसे भी होते हैं जिनको मालूम रहता है लेकिन कोई पूछता है तो वह डर मारे नहीं बता पाते है। स्कूल में ऐसा तो होता नहीं कि बच्चे को पहाड़ा न सिखाया गया हो। सोनम को भी शिक्षक ने सिखाया होगा। रटने को कहा होगा, याद करने को कहा होगा। वह नहीं कर पाई होगी। पढ़ने वालों को बहुत कुछ पता नहीं रहता है, बहुत कुछ हमेशा याद नहीं रहता है। उनकी योग्यता का पता महज पहाड़ा पूछने से नहीं लगाया जा सकता। सोनम को और भी बहुत कुछ पता रहा होगा लेकिन वह उसके पिता नहीं पूछा, अगर सोनम को जो मालूम होता उसके पिता ने वह पूछा होता तो सोनम जरूर बताती।***

सोनम के पिता ने सोनम से वह पूछा जो उसको पता हीं था, या उस वक्त उसको याद नहीं आ रहा था। इसके लिए सोनम के पिता को सोनम पर गुस्सा नहीं करना चाहिए था। अगर वह समझदार पिता होते तो सोनम के पहाड़ा पूछने पर नहीं बता पाने पर पहले तो स्कूल के शिक्षक के पास जाते उससे पूछते की आप स्कूल में कैसी पढ़ाई कराते हो, मेरी बच्ची को पहाड़ा तक नहीं आता है।अगर किसी बच्ची को पहाडा नहीं आता है तो यह शिक्षक की भी गलती है। बच्ची की गलती तो है ही लेकिन शिक्षक को ध्यान देना चाहिए कि किस बच्चे को पहाड़ा नहीं आता है उसे सिखाना तो शिक्षक की भी जिम्मेदारी है।

पिता को बच्ची को पहाड़ा न आने पर शिक्षक के बाद खुद पर भी गुस्सा करना चाहिए कि मेरी बच्ची को पहाड़ा नहीं आता है तो इसके लिए तो मैं भी जिम्मेदार हूं। मैंने कभी ध्यान नहीं दिया कि मेरी बच्ची की पढ़ाई कैसी चल रही है,उसे क्या आता है, नहीं आता है।अगर पिता ने बच्ची को पहाड़ा न आने के लिए बच्ची की जगह खुद को जिम्मेदार माना होता तो वह उसी वक्त से बच्ची को पहाड़ा सिखाना शुरू करता और तब तक कोशिश करता जब तक बच्ची को पहाड़ा नहीं आ जाता। बच्ची को कोई पिता पीटता है तो स्वाभाविक है कि उसकी मां तो उसे बचाएगी ही। सोनम के पिता ने उसे पीटा तो मां ने बचाने की कोशिश की तो गुस्से में पिता ने अपनी पत्नी को पीटा और उसे बालकनी से धक्का दे दिया।

जब आदमी गुस्से में अंधा हो जाता है तो ऐसा करता है, वह जो भी सामने आता है, उस पर गुस्सा निकालता है। उसे पता नहीं रहता है कि वह गुस्से में क्या कर रहा है। सोनम के पिता ने गुस्से में अंधा होकर बेटी को पीटा, पत्नी की पीटा, बालकनी से पत्नी को धक्का दे दिया और वह अब अस्पताल में पता नहीं कितने दिन रहेगी। पुलिस पिता को पकड़कर जेल भेज दी है। सोनम को उसका कोई रिश्तेदार अपने घर ले गया होगा।गुस्से में कुछ देर अंधे हो जाने कारण एक परिवार जो एक साथ रह रहा था, बिखर गया है।

गुस्सा सिर्फ पुरुष को ही नहीं आता है, स्त्री को भी आता है,वह भी गुस्से में अंधी होकर अपने घर को बरबाद कर देती है। एक ऐसी घटना अंबिकापुर के नर्मदापुर के खालपारा की है। यहां रहने वाले बलिराम मांझी की शादी पांच साल पहले गांव की ही नईहारी बाई से हुई थी। दो तीन साल तो दोनों एक दूसरे के साथ खुश रहे लेकिन तीन साल बाद भी उनको संतान न होने पर दोनों के विवाद होने लगा। बलिराम अपनी पत्नी को बच्चा न होने का ताना दिया करता था और .दूसरी शादी करने की बात किया करता था। मंगलवार को दोनों ने शराब पी, फिर बच्चा न होने व दूसरी शादी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और नशे और गुस्से में पत्नी ने टांगी से पति के सिर पर वार मार डाला।हुआ क्या पति मारा गया और पत्नी घर छोड़कर फरार है। इस तरह नशे व गुस्से के कारण एक और घर बरबाद हो गया।

किसी भी समस्या का समाधान गुस्सा तो नहीं है, यह बात हर आम आदमी को समझ लेनी चाहिए। गुस्से से समस्या का समाधान नहीं होता है उल्टे समस्या और बढ़ जाती है। अगर किसी तो बहुत गुस्सा आता है तो उसे मनोवैज्ञानिक के पास जाना चाहिए, बड़े बुजुर्ग के पास जाना चाहिए और गुस्सा पर कंट्रोल करने का उपाय पूछना चाहिए।वे कोई न कोई उपाय जरूर बताते हैं। वर्तमान में मनुष्य जीवन में ज्यादातर लोगों की यही समस्या है कि उनको गुस्सा बहुत आता है।दूसरों पर बहुत गुस्सा आता है। वह सोचते नहीं है कि कहीं इसके लिए वह खुद तो दोषी नहीं है। जिनको बहुत गुस्सा दूसरों पर आता है, उनको सोचना चाहिए कि गुस्सा आता है तो इसके लिए मैं दोषी हूं। खुद पर गुस्सा करके देखना चाहिए। इससे परिवार को कोई नुकसान नहीं होगा।

नजरिया

नया साल मनाने जा रहे बेटे-बेटियों को सावधान करें

केवल भारत ही नहीं पूरी दुनियाँ नया साल मनाने की तैयारी हो रही है । नदियों झील, समन्दर और पहाड़ों के पर्यटन स्थल और महानगरों में बार, होटल रेस्टोरेंट बुक हो चुके हैं । लेकिन एक बात समझ लें। गत वर्ष सौ से अधिक युवा घर लौट ही नहीं सके थे । वे या तो या तो नशे में गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुये अथवा नशे में हुये झगड़ों का शिकार बने थे। घायलों की संख्या भी सैकड़ों में रहीं।

रमेश शर्मा

गत वर्ष केवल उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों पर छै मौतें, पचहत्तर घायल हुये थे। आपसी झगड़ों में पुलिस ने आधीरात को 55 युवा बंदी बनाये थे। वर्ष 2024 के समापन के पल समीप आ गये। भारत में यह वर्ष अनेक उपलब्धियों की सौगात देकर विदा हो रहा है। पूरी दुनियाँ के साथ भारत में भी नववर्ष के स्वागत की तैयारी के समाचार मीडिया में आने लगे। यह तैयारी पर्यटन स्थलों, होटल, बार, रेस्टोरेंट आदि में अधिक है। अंग्रेज क्रिसमस की इन छुट्टियों में मंसूरी नैनीताल आदि पहाड़ों पर जाया करते थे। अंग्रेज भले चले गये छुट्टियों में पहाड़ों पर जाने की परंपरा छोड़ गये। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी पहाड़ों के अधिकांश होटल बुक हो चुके हैं। पिछले वर्ष तो रास्ते में पाँच-पाँच किलोमीटर के जाम लगा था। इसके अतिरिक्त वर्ष हजारों लाखों लोगों द्वारा अपने नगर के होटलों में पार्टी देने की ही नहीं, कमरों की बुकिंग भी हो गई है।

समय की तेज गति से अब यह प्रश्न पीछे छूट गया कि भारतीय परंपरा में नया साल कब आता है और कैसे मनाया जाता है। भारतीय शासन व्यवस्था और समाज जीवन एक जनवरी को नया साल मनाने की परंपरा में ढल गया है। दैनिक जीवन के कार्य ही नहीं अब तो जन्म पत्रिकाएँ भी अंग्रेजी वर्ष के दिनांक से बनती हैं। कुण्डली दिखाने के लिये भी अंग्रेजी दिनांक ही दी जाती है। यह आधुनिक नया साल प्रात:कालीन सूर्योदय से आरंभ नहीं होता । यह आधी रात से होता है। नये साल का उत्सव भी आधी रात को मनाया जाता है। आधी रात के इस उत्सव की दो विशेषताएँ होतीं हैं। एक यह उत्सव बिना शराब पार्टी के पूरा नहीं होता और दूसरा अधिकांश आयोजनों में स्त्री पुरुष साथ होते हैं। हालाँकि कुछ पार्टियों में परिवार और पारिवारिक मित्रों के साथ होती हैं। लेकिन अनेक पार्टियों में भाग लेने वाले जोड़े, पति पत्नि नहीं, मित्र होते हैं। इनमें अधिकांश वे युवा होते हैं जो पढ़ाई या जॉब के लिये घरों से बहुत दूर रहते हैं। पिछले साल नववर्ष की रात जो घटनाएँ घटीं थीं उनमें अधिकांश इसी प्रकार के समूहों के बीच घटीं थीं। जो हत्या, प्राण घातक मारपीट, बलात्कार, बलात्कार का प्रयास और बेहद घटिया छेड़छाड़ से भरीं थीं। वर्ष 2022 और 2023 के बीच एवं वर्ष 2023 और 2024 के बीच मनाये गये नववर्ष उत्सव की मध्य में रात्रि 10 बजे से 2-30 बजे के बीच केवल साढ़े चार घंटे में देश की राजधानी दिल्ली में कुल बत्तीस बड़े अपराध घटे थे। जिसमें उन्नीस बहुत गंभीर थे। इनमें चार मर्डर और बारह बलात्कार एवं बलात्कार का प्रयास थे। यदि इसमें दून, मुम्बई, बंगलूर, हैदराबाद, चैन्नई आदि 17 महानगरों के आँकड़े जोड़ें तो बड़े अपराधों की यह संख्या सौ से अधिक होती है। गत वर्ष केवल उत्तराखंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर झगड़े और दुर्घटनाओं में छै मौतें हुईं थीं। इनमें दून में चार, लालकुआँ भीमताल में एक और हल्द्वानी में एक मौत हुई थी। शराब के नशे में आधीरात को जो झगड़े हुये उनमें कुल 55 लोग बंदी बनाये गये थे। इनमें अकेले दून में तीस लोग बंदी बनाये गये थे। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ के जशपुर में एक कार पेड़ से टकराई चार मौतें, झारखंड में छै, हापुड़ में दो, जमशेदपुर में छै मौतें हुईं थी। नेशनल सिक्युरिटी काउन्सिल द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार देशभर नववर्ष की रात को कुछ 104 मौतें हुईं थीं। गतवर्ष अर्थात 2023 की 30 एवं 31 दिसम्बर तथा वर्ष 2024 की एक जनवरी के इन तीन दिनों में कुल 308 मौतें हुईं थीं। दो वर्ष पहले दिल्ली में एक बेटी को लगभग चौदह किलोमीटर घसीटा गया था । यह घटना सुल्तानपुरी इलाके में घटी थी। वह 20 अंजलि थी ।उसकी हड्डियां घिस चुकी थीं। शरीर पर एक भी कपड़ा नहीं था। यह घटना मीडिया की सुर्खियाँ में आई थी इसलिए दो साल बाद अब भी सबके ध्यान में है लेकिन बाकी सब घटनाएँ एक दिन से आगे न बढ़ सकीं थीं। गत वर्ष नशे की पार्टियों से अलग कुछ टोलियाँ ऐसी भी थीं जो नया साल मनाने किसी होटल में नहीं धार्मिक स्थलों पर गये थे। नववर्ष पर ऐसी ही एक वैष्णों देवी से लौटते समय घटी। तेज रफ्तार गाड़ी खाई में गिरी और बारह लोग मारे गये। इन दुर्घटनाओं में मारे जाने वाले कितने ही युवा अपने माता पिता की इकलौती संतान थे। और वे बेटियाँ जो उत्साह से नववर्ष मनाने गईं लेकिन बलात्कार या बलात्कार के प्रयास का शिकार हुईं । उनकी मनोदशा की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वे पीड़ित प्रताड़ित युवा और उनके परिवार ये दर्द जीवन भर नहीं भूलेंगे।

अपराध के ये आकड़े पहले नहीं हैं। हर साल ऐसी घटनाएँ घटतीं है। नववर्ष मनाने के पिछले दस वर्षों में ऐसी घटनाओं के आँकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। ये आँकड़े वे हैं जो पुलिस तक पहुंचे। छेड़छाड़ आदि की कितनी घटनाएँ ऐसी होंगी जो पुलिस तक नहीं पहुँच सकीं। इसका कारण यह है कि नववर्ष की पार्टी केलिये उत्साह का अतिरेक और नशा विवेक को शून्य कर देता है। जिससे वह न तो अपने भविष्य का आकलन कर पाता है और न पिछली घटनाओं से कोई सबक ही लेता है। इस वर्ष भी यही हो रहा है। नववर्ष उत्सव मनाने की तैयारी के जो समाचार आ रहे हैं वे पिछले वर्ष से बहुत अलग नहीं है। इसे हम महानगरों के होटल बार और रेस्टोरेंट की बुकिंग से समझ सकते हैं। पर्यटन स्थलों पर जाने वाले मार्गों पर ट्रैफिक बढ़ गया है। यह ठीक है कि दुर्घटनाएँ सभी के साथ नहीं घटतीं। अधिकांश लोग हँसी खुशी से ही लौट आयेंगे। और नववर्ष उत्सव के आनंद को मित्रों से साँझा करेंगे। पिछले सालों में भी ऐसा हुआ है। लेकिन सभी ऐसी सौभाग्यशाली नहीं होते। लेकिन जिन बेटे बेटियों का जीवन और मान संकट में पड़ता है उनकी क्षति की भरपाई कभी नहीं होती। इसलिए सावधानी और समझ दोनों आवश्यक हैं। किन मित्रों के साथ नया साल मनाना यह विचार आवश्यक है। जो युवक युवतियाँ अपने मित्रों के साथ नया साल मनाने जा रहे हैं तो सावधानी बरते। सावधानी हटी दुर्घटना घटी!

(ये लेखक के विचार हैं)

मुफ्त की चुनावी घोषणाएं बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

योगेंद्र योगी

दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढ़ने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते।

इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को फ्री की रेवड़ी कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस

मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है। वर्ष 2022 में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है।

भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया।

नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई। 2006 के चुनावी वादे पर जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्री बीज सभी लोगों को प्रभावित करती है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ को काफी हद तक हिला देती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी आदेश दिया कि वो सभी राजनीतिक पार्टियों से सलाह-मशविरा कर एक आचार संहिता बनाए। इसके बाद 2015 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता जारी भी की, लेकिन उसके बावजूद चुनावों में फ्री बीज का ऐलान होता ही रहा है। रिजर्व बैंक ऑफइंडिया (आरबीआई) ने कहा था, ऐसी योजनाएं जिनसे क्रेडिट कल्चर कमजोर हो, सब्सिडी की वजह से कीमतें बिगड़ें, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में गिरावट आए और लेबर फोर्स भागीदारी कम हो तो वो फ्री बीज होती हैं। वर्ष 2022 पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। स्टेट फाइनेंसेस: अ रिस्क एनालिसिस नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। चुनावी वादों के कारण बढ़ रही मुद्रास्फीती और महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। राजनीतिक दलों का इससे सरोकार नहीं है। सत्ता में आने के बाद सरकारें फ्री देने के वादे पूरा करने के लिए टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही हैं। होना तो यह चाहिए कि कोई राजनीतिक दल जब ऐसी मुफ्त की चुनावी घोषणाओं का ऐलान करे तो साथ ही यह भी बताए कि इसके लिए धन का इंतजाम कैसे किया जाएगा। मसलन इसके एवज में करदाताओं पर कितना बोझ पड़ेगा। जब तक हिसाब-किताब पारदर्शी नहीं होगा तब तक ऐसी योजनाओं देश पर बोझ साबित होती रहेंगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

भारतीय राजनीति के नीलकंठ डॉ. मनमोहन सिंह

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह अपनी जीवन यात्रा पूरी कर अनंत यात्रा पर निकल गए। डॉ. मनमोहन सिंह देश के 13 वें प्रधानमंत्री थे और दस साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे। डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति मेरा मन हमेशा से श्रद्धा से भरा रहा, क्योंकि सही अर्थों में वे देश के मौन सेवक थे। मौन ही उनका आभूषण था और मौन ही उनका हथियार भी था। देश और दुनिया ने उन्हें कभी चीखते-चिल्लाते न सदन में देखा और न किसी रैली में।

एक पत्रकार के रूप में मुझे डॉ. मनमोहन सिंह से मिलने का अवसर आज से कोई तीन दशक पहले तब मिला था जब वे देश के वित्त मंत्री थे।ग्वालियर के सांसद और केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय माधव राव सिंधिया उन्हें लेकर ग्वालियर आये थे । उन्होंने बरई गांव में ग्रामीण हाट जैसी एक परियोजना का उद्घाटन किया था। उन्हें पहली बार मप्र चैंबर आफ कामर्स के सभागार में सुनने का मौक़ा मिला था। विद्वत्ता उनके सम्भाषण से ही नहीं बल्कि उन स्वभाव और आचरण से टपकती थी। वे एक खास लय में मुस्कराते थे। वे विनोदी भी थे लेकिन उनका विनोद भी शालीनता की चाशनी में लिपटा रहता था। देश का सौभाग्य रहा कि उसे डॉ. मनमोहन सिंह जैसे विद्वान अर्थशास्त्री का नेतृत्व मिला। कोई माने या न माने लेकिन देश और दुनिया की तारीख में डॉ. मनमोहन सिंह भारत में आर्थिक सुधारों के जनक रहे। मुझे लगता है कि वे राजनीति के लिए बने ही नहीं थे ,लेकिन उनका प्रारब्ध उन्हें राजनीति में खींच लाया। कांग्रेस ने उनकी योग्यता को पहचाना और देश हित में उन्हें राजनीतिक मंच पर सबसे शीर्ष पद पर खड़ा कर दिया ,अन्यथा वे तो एक अध्यापक थे ,राजनीति से उनका कोई लेना-देना था ही नहीं।

देश के विभाजन की विभीषिका पर आज जो लोग लम्बे -चौड़े भाषण देते हैं उन्हें शायद ये पता भी नहीं होगा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने इस त्रासदी को अपने बचपन में ही भुगता था,लेकिन वे इससे टूटे नहीं ,बिखरे नहीं। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे पीएच. डी.करने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। डॉ. सिंह ने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। वे केवल प्राध्यापक ही नहीं बल्कि लेखक भी थे।उनकी पुस्तक 'इंडियाज़ एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की अन्तर्मुखी व्यापार नीति की पहली प्रामाणिक आलोचना मानी जाती है।

डॉ.मनमोहन सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर अपनी पहचान बनाई और ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और वे दो बार जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। उनकी विद्वत्ता को पहचानकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उन्हें आर्थिक सलाहकार बनाया ।बाद में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष जैसे अनेक महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे।

देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहराव ने मनमोहन सिंह को 1991 में वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंप दिया। उस वक्त डॉ.मनमोहन सिंह संसद के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे। उन्हें उसी साल असम से राज्यसभा के लिए चुना गया।सही अर्थों में भारत को विश्वगुरु बनाने की नींव डॉ. मनमोहन सिंह ने ही रखी। उन्होंने ही भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व बाजार के साथ जोड़ने का श्रेय डॉ. मनमोहन सिंह को ही है।

भारत की अर्थव्यवस्था जब घुटनों के बल चल रही थी और प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भयंकर आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा रहा था। आज का सत्ता पक्ष तब विपक्ष में था और उन्हें नए आर्थिक प्रयोग से सावधान कर रहा था। लेकिन मात्र दो वर्ष बाद ही डॉ. मनमोहन सिंह की सूझबूझ से आलोचकों के मुँह बंद हो गए। उदारीकरण के बेहतरीन परिणाम भारतीय अर्थव्यवस्था में नज़र आने लगे। मजे की बात ये है कि डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री बनने का सपना कभी नहीं देखा। उनके नाम पर कांग्रेस ने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा ,किन्तु वे न केवल एक बार प्रधानमंत्री बने बल्कि लगातार दो बार प्रधानमंत्री बने। उनकी नीली पगड़ी और भक्क सफेद कुर्ता-पायजामा उनकी पहचान बना रहा।

राजनीति की सारी लक्ष्मण रेखाएं लांघते हुए डॉ. मनमोहन सिंह की जितनी आलोचना हुई, उसका कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। लेकिन डॉ. मनमोहन सिंह ने कभी कोई लक्ष्मण रेखा नहीं लांघी । वे पार्टी के भीतर भी राहुल गांधी की उद्दंडता को मौन रहकर पी गए। वे राजनीति के नीलकंठ थे। वे मतदान करने व्हील चेयर पर सदन में आये तब भी उनके बारे में टिप्पणियां की गई किन्तु डॉ. मनमोहन सिंह ने अपना संयम नहीं खोया,वे सदा मुस्कराते रहे। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के जितने भी राजनीतिक आरोप लगे वे सभी में बेदाग साबित हुए। डॉ. मनमोहन सिंह ने कभी सत्ता का इस्तेमाल अपने परिवार के लिए नहीं किया। उन्होंने कभी अपनी सादगी की झांकी नहीं लगाई। उन्हें कठपुतली प्रधानमंत्री कहा गया किन्तु उन्होंने अपने आपको देश का सबसे ज्यादा संजीदा प्रधानमंत्री साबित किया। वे नेहरू नहीं थे,वे इंदिरा गाँधी भी नहीं थे ,उनकी अपनी कोई राजनीतिक विरासत भी नहीं थी,किन्तु वे अपने पीछे राजनीति में सुचिता की जो पगडण्डी छोड़ गए हैं उस पर चलना अब किसी के लिए भी संभव नहीं है।

ऐसे अनूठे देश सेवक के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी

दुर्ग। बेलगावी कर्नाटक में आयोजित कांग्रेस की सीडब्लूसी की बैठक में शामिल होने छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ नेता ताम्रध्वज साहू पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन की खबर सुनकर दिल्ली लौट आए और डॉक्टर सिंह को उनके निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।साहू ने इस अवसर पर कहा कि डा.मनमोहन सिंह का आर्थिक सुधारो के लिए किए गए प्रयास देश में हमेशा याद किया जाएगा। सार्वजनिक जीवन में विभिन्न पदों पर रहने वाले डॉक्टर सिंह सादगी के मूर्ति थे. उनके निधन से पूरे देश को अपूरणीय क्षति हुई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव जितेंद्र साहू ने भी डॉक्टर मनमोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी।

मेंटेनेंस के लिए टाउनशिप में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के अन्तर्गत टाउन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वार्षिक रखरखाव योजना 2024-2025 के तहत टाउनषिप में विद्युतीय मेंटेनेंस एवं अनुरक्षण कार्य संपादित किये जा रहे हैं। ब्रेकडाउन को कम करने और सिस्टम की दक्षता बढ़ाने के लिए विद्युत सिस्टम के यथोचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नवम्बर 2024 से मार्च 2025 के दौरान एचटी सिस्टम के निवारक रखरखाव के लिए टाउनषिप के विभिन्न स्थानों में योजनाबद्ध शटडाउन किया जाएगा। इस वार्षिक रखरखाव योजना के अंतर्गत सबस्टेशन, टैपिंग, डीपी और मेंटेनेंस, ओवरहालिंग, ओवर हेड लाइनों का मेंटेनेंस, जम्पर कसना, क्षतिग्रस्त पिन को बदलना, डिस्क इंसुलेटर और लाइटनिंग अरेस्टर, ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस आदि कार्य किये जायेंगे। यह कार्य प्रतिदिन योजनानुसार पूर्ण किये जाते हैं। इस कार्य के तहत टाउनषिप में 28 दिसम्बर 2024 से 04 जनवरी 2025 के मध्य विभिन्न स्थानों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेंगी।

सड़क किनारे अवैध रूप से बिल्डिंग मटेरियल, गुमटी रखने वालो पर कार्यवाही

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 01 अंतर्गत हुड़को क्षेत्र में दिव्या कन्सट्रक्शन स्टील सप्लायर द्वारा सामग्री रखकर व्यापार किया जा रहा था। स्थानीय निवासियो द्वारा शिकायत की गई, जिसके आधार पर कलेक्टर महोदया ऋचा प्रकाश चैधरी के निर्देश पर आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन 01 के अधिकारियो को निर्देशित किए, कि स्थल का जांच करे। राजस्व की टीम मौके पर पहुंची और जांच के दौरान देखा की दिव्या कन्सट्रक्शन के संचालक द्वारा सड़क किनारे सामग्री रखकर विक्रय किया जा रहा है। नगर निगम का दल पहुचने से पहले ही सप्लायर दुकान बंद करके भाग गया। कार्यपालक मजिस्टेड फुलेश्वरनाथ खुटे, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता के उपस्थिति में मौके पर पंचनामा बनाकर बिल्डिंग मटेरियल सामग्री को जप्त किया गया।

भिलाई के मिल्खा सिंह : सफलता और संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जब हम सफलता की कहानियाँ सुनते हैं, तो हमें अक्सर उन लोगों की यात्रा पर ध्यान जाता है जिन्होंने अपार संघर्षों को पार कर ऊँचाइयों तक पहुँचने का साहस और धैर्य दिखाया। ऐसी ही मैराथन के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक कहानी छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के छोटे से गाँव हथौद से निकलकर आती है। मैरेथॉन, एक ऐसा खेल जिसमें शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होती है। ये कहानी है बीएसपी (भिलाई इस्पात संयंत्र) में इंजीनियरिंग एसोसिएट के पद पर कार्यरत भागवत राम नेताम की। उनका जीवन एक सजीव उदाहरण है कि यदि आत्मविश्वास और मेहनत हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

भागवत राम नेताम का जन्म 10 दिसंबर 1971 को बालोद जिले के हथौद गाँव में हुआ। 53 वर्षीय भागवत की यात्रा आज युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन चुकी है। भागवत राम नेताम को उनके स्कूल के दिनों से ही दौड़ने का शौक था, लेकिन शुरुआत में उन्हें उतने मौके नहीं मिले। जो कभी खुद को सामान्य मानते थे, अब अपने संघर्षों और जोश के साथ हजारों लोगों के बीच एक उदाहरण बन चुके हैं। उनकी यात्रा 1993-94 में बीएसपी में ट्रेड अप्रेंटिस के रूप में शुरू हुई। शुरुआत में, इससे पहले उनके पास पर्याप्त साधन नहीं थे और अवसर भी सीमित थे, लेकिन उनके

भागवत राम नेताम

पास उनका आत्मविश्वास, उनका जुनून और मेहनत करने की अडिग इच्छाशक्ति। बीएसपी में शामिल होने के बाद, उन्हें खेलों में भाग लेने के कई अवसर मिले। बीएसपी के खेल आयोजनों ने उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका दिया।

भागवत राम नेताम मैरैथॉन धावक अपने सपनों को पूरा करने के लिए बीएसपी में ड्यूटी करते हुए रोजाना घंटों तक कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने बताया कि बीएसपी में ज्वाइन करने के बाद उन्हें संसाधन, मार्गदर्शन और अपने अधिकारियों से उन्हें निरंतर प्रोत्साहन मिलता रहा, साथ ही खेलों में रुचि और परिवार का समर्थन उन्हें हमेशा प्रेरणा देता है। उन्होंने क्रॉस कंट्री दौड़ों में लगातार भाग लिया और शानदार सफलता प्राप्त की। उनका यह संघर्ष केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं था, बल्कि उनके परिवार, कोच और दोस्तों का भी इसमें पूरा योगदान था। भागवत राम नेताम ने 15 दिसंबर 2024 को नया रायपुर सोल्जरथॉन में 21 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें सम्मान स्वरूप 7000 रुपये, एक ट्रॉफी और गिफ्ट हैंपर दिया गया। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ सहयोगी साख समिति मर्यादित, भिलाई नगर द्वारा भी उन्हें प्रतिभावान खिलाडी के रूप में विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। यह उनकी मेहनत और संघर्ष का फल था, जो उन्होंने अपने परिवार और मार्गदर्शकों की मदद से प्राप्त किया। इनका समर्पण उनके परिवार के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन चूका है। यह परिवार न केवल खुद को फिट और स्वस्थ रखता है, बल्कि दूसरों को भी यह समझाता है कि अगर आप अपने लक्ष्य को पाने के लिए ईमानदारी से मेहनत करें, तो कोई भी बाधा आपको रोक नहीं सकती।

एक ऐसा अनूठा परिवार, जिसमें हर सदस्य किसी न किसी श्रेणी के दौड़ या खेल में भाग लेता है, और अपने अद्वितीय जोश और उत्साह से लोगों को प्रेरित करता है। उनकी पत्नी, बेटा और बहू भी 'रन फॉर सेल' जैसे कार्यक्रमों में के विजेता रह चुके हैं। यह परिवार यह संदेश देता है कि जीवन में अगर इच्छाशक्ति हो, तो किसी भी उम्र का व्यक्ति किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकता है। चाहे वह 75 वर्षीय दादी हो, जो हर सुबह पार्क में दौड़ लगाने निकलती हैं, या फिर 10 वर्षीय बच्चा, जो अपनी स्कूल टीम के लिए एथलेटिक्स में मेडल जीतता है। इस परिवार का प्रत्येक सदस्य अपनी मेहनत और समर्पण से यह साबित करता है कि खेल में केवल शारीरिक ताकत का नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता का भी महत्वपूर्ण स्थान है। उनका यह उत्साह और संघर्ष हर किसी को यह एहसास कराता है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, और असली जीत हमारी इच्छाशक्ति में छुपी होती है।

भागवत राम नेताम ने बताया कि उनकी सफलता में उनके मार्गदर्शक, सेल अकेडमी भिलाई के कोच अनिरुद्ध का अहम योगदान हैं, जो एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वाकर हैं। वे कहते हैं कि अनिरुद्ध के साथ उनकी यात्रा ने उन्हें खेल के महत्वपूर्ण बारीकियों और जीवन के कई पहलुओं को समझने का मौका दिया और सफलता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही शिवकुमार भंडारी ने भी उनका भरपूर सहयोग दिया है। भागवत राम नेताम की यात्रा हमें यह सिखाती है कि अगर हमारी मेहनत सच्ची हो और हम अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हों, तो मुश्किलें सिर्फ अस्थायी होती हैं। उनका जीवन यह प्रमाणित करता है कि कभी भी हार नहीं माननी चाहिए, और सफलता अपने आप हमारे कदमों में आकर खड़ी हो जाती है। भागवत राम नेताम की तरह हम सभी को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित होना चाहिए। उनका जीवन हमें यह याद दिलाता है कि असली सफलता सिर्फ अवसरों में नहीं, बल्कि मेहनत, संघर्ष और निरंतर प्रयासों में छिपी होती है।

सीमांकन, निर्माण कार्य, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड व स्वास्थ्य संबंधी विषयों को लेकर आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने पूर्व में दिए गये निर्देशो के कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक बुलाई, जिससे चल रहे विकास/निर्माण कार्यो में और गति लाया जा सके। वर्ष 2023 से शुरू हुए सभी निर्माण कार्यो की समय अवधि लगभग पूर्ण हो रही है और जिन कार्यो में विलंब हो रहा है। उसे समय अवधि में पूर्ण करने हेतु आयुक्त ने सभी जोन आयुक्त एवं कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किये, कि सभी कार्यो को दिए गये समय पर पूर्ण कराये। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में स्थित सभी तालाबो का सीमांकन किया जाए। उसको नगर निगम के राजस्व रिकार्ड में दुरूस्त किया जाए। जिससे कोई भी व्यक्ति तालाब के किनारे अतिक्रमण न कर सके।

आयुक्त पाण्डेय ने यह भी कहा कि आयुषमान कार्ड सभी वार्डो में बनाये जा रहे है, उसके बनाने की गति को तेज किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग आयुष्मान कार्ड बनवाकर लाभ ले सकें। साथ ही नवीन राशन कार्ड बहुत से बनकर राशन दुकानो पर रखे है, उसका शिविर प्रत्येक सोमवार को सुबह 11:00 से 4:00 तक जोन कार्यालय में लगाये जा रहे है। हितग्राही जोन कार्यालय में, राशन दुकानो में आकर अपना नवीन राशन कार्ड लेकर जा रहे है, किन्तु इस कार्य में और गति लाने की आवश्यकता है, जिससे समय अवधि के अंदर सभी के पास नवनी राशन कार्ड पहुंच जाए। सामुदायिक सुलभ शौचालय के जीर्णोद्वारा, निर्माण आदि का कार्य सभी जोन क्षेत्र में चल रहा है उसे गुणवत्तापूर्ण समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियो को दिए है।

इसी प्रकार पेयजल व्यवस्था में सतत निगरानी रखी जाए, जहां कही भी नल की टोटी टूटी मिले या पाईप में लिकेज दिखे उसे शीध्र संधारण किया जाए। घरों से डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन किया जा रहा है नागरिक को समझाइस दी जाए कि अपने घर से निकलने वाले गीला एवं सूखा कचरो को पृथक कर देवें, जिससे गीला एवं सूखा कचरा अलग करने में परेशानी न हो। अगर कोई नहीं मानता है तो उनके ऊपर चालानी कार्रवाई की जाए। उन घरों से कचरा लेना बंद किया जाए जो लोग बार-बार समझाने के बाद भी गीला कचरा सूखा कचरा एक में मिला कर देते हैं। गौरतलब है, कि नगर निगम भिलाई के स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता दीदीयो एवं हमारे जनप्रतिनिधयो द्वारा लगातार समझाइस दी जा रही है कि गीला एवं सूखा कचरा अलग कर दे। किन्तु आदत से मजबूर लोग एक ही में कचरा मिलाकर दे रहे है। इससे सफाई व्यवस्था में बहुत परेशानी होती है। बैठक के दौरान मुख्य अभियंता, सभी अधीक्षण अभियंता, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, राजस्व अधिकारी, उपअभियंता, उद्यान अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉक्टर मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर लोसपा ने दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की ओर से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह जी के आकस्मिक निधन पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि । मनमोहन सिंह जी के द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हुए श्याम मनोहर सिंह, अशोक पंडा, एम चन्द्रशेखर रेड्डी आदि ने उन्हे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की ।

सूचना का अधिकार अधिनियम,मनरेगा जैसे कानूनों को बनाकर उन्होंने भारतीय लोकतंत्र को एक नया आयाम दिया । प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी ने ही सर्वप्रथम बताया था कि बालश्रम का मूल कारण गांव की गरीबी में निहित है । उनकी अर्थशास्त्र में गहरी समझ ने राष्ट्र को प्रेरित किया। बुद्धिमत्ता, नैतिकता और विनम्रता के उन्होंने भारत का नेतृत्व किया। हमने एक मार्गदर्शक और मेंटर को खो दिया है। भारतवासी उनके द्वारा किए गए कार्यों को गर्व के साथ याद रखेंगे। उनकी सरकार ने शिक्षा,स्वास्थ्य व बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कई प्रकार के काम किए थे । मनमोहन सिंह जी के आर्थिक सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता और जटिल राजनीतिक परिदृश्यों को नेविगेट करने की उनकी क्षमता ने उन्हे व्यापक सम्मान और प्रसंशा दिलाई । उनकी नेतृत्व शैली,जो विनम्रता और सुनने की इच्छा से चिन्हित थी,ने एक पीढ़ी के भारतीयों को प्रेरित किया और भविष्य के नेताओं के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया । यह स्पष्ट है कि सिंह की विरासत लाखों भारतीयों को प्रेरित और मार्गदर्शन करना जारी रखेगी ।

पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह का जाना एक युग का अंत है - रिकेश सेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर आज वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के कार्यालय में शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में वैशाली नगर विधानसभा के नागरिक, जनप्रतिनिधि तथा विधायक रिकेश सेन ने डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंहजी का निधन देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। डाक्टर सिंह बहुत बड़े और ज्ञानी अर्थशास्त्री थे। जिस प्रकार से उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भारत को फिर खड़ा किया है, शांत रहते थे बहुत कम बोलते थे लेकिन काम बड़ा बड़ा करते थे।

आज उनकी कमी खली है, वो किसी दल के नेता नहीं बल्कि पूरे देश के नेता थे। इसलिए आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता होने के बावजूद हमारे सभी कार्यकर्ता आज उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं। राज्यसभा से जब मनमोहन सिंहजी की विदाई हो रही थी तब नरेन्द्र मोदीजी ने कहा था कि डॉ सिंह इतने संवेदनशील हैं, आज भी वो व्हील चेयर में आते हैं और एक एक विषय पर अपनी बातों को रखते हैं। मनमोहन सिंहजी का जाना एक युग का अंत है और उनकी कमी कभी भी पूरी नहीं हो सकती है। आज के नेताओं को मनमोहनजी से सीखने की आवश्यकता है, भले ही वो कोई भी राजनीतिक दल के नेता हों, उनसे सीखने की आवश्यकता है। अटलजी और मनमोहनजी ने देश के लिए कई बड़े काम किए हैं, मुझे लगता है कि हम सब लोगों को ऐसे नेताओं के जीवन और कार्यशैली से सीख लेने की आवश्यकता है इसलिए आज हम लोगों ने विधायक कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंहजी के निधन पर शोक श्रद्धांजलि आयोजित कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की है। भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं सहित वैशाली नगर विधानसभा के प्रबुद्धजन शोक सभा में शामिल हुए।

जाबो कार्यक्रम के तहत् निकाय के लोगों को किया जा रहा जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वीप अभियान के तहत जिला एवं निगम प्रशासन की तरफ से आयोजन किया गया। मानव श्रृंखला द्वारा वोटर लिखकर मानस भवन प्रांगण में मतदाताओं को जागरूक किया गया साथ ही साथ शपथ के माध्यम से संकल्प लिया गया कि वह सौ फ़ीसदी मतदान करेंगे। इस अवसर पर स्थानीय निकाय आम चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश एवं कमिश्नर सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में जाबो

(जागव वोटर) कार्यक्रम अंतर्गत व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

नगर निगम प्रशासन की ओर से निकाय चुनाव के लिए में मतदाता जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में जमीनी स्तर पर आम नागरिकों,नव मतदाताओं व महिला शक्ति को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।निगम क्षेत्र में अभियान चला कर लोगों को मतदान के लिए सब काम छोड़ मतदान करो की सीख दी जा रही है।

इसी तारतम्य में मानव श्रृंखला बनाकर लोगो को शपथ दिलाकर मतदाताओं को निरंतर जागरूक करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।इस दौरान एडीएम अरविंद्र एक्का,एसडीएम हरवंश सिंह मिरी,उपायुक्त मोहेंद्र साहू,नारायण यादव,चंदन मनहरे,सत्यनारायण शर्मा,अनिता सिंह एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

इधर-उधर कचरा डालने वालों पर रहेगी सीसीटीवी की नजर

दुर्ग। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर वार्डों में लगातार नागरिकों एवं दुकानदारों को कचरा बाहर न फेकने हेतू समझाइश दी जा रही है।इस हेतू विभिन्न वार्डों में लगातार कचरा फैलाने वालों पर अर्थदंड की कार्यवाही भी की जा रही है। साथ ही साथ वार्ड के मुख्य चौक चौराहों पर सीसी टीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। जिससे खुले में कचरा फैलाने वालों पर सतत निगरानी रखी जा सके।डोर-टू-डोर कचरा उठाने के अभियान के बीच शहर की मुख्य सड़कों और चौराहों को कचरे से पाटने वालों की खैर नहीं है। ऐसा करने वालों पर अब तीसरी आंख की नजर रहेगी।

हर व्यक्ति जन्म से मृत्यु तक सभी जरुरतों को पूरा करने निभाता है ग्राहक की भूमिका - सक्सेना

हर ग्राहक को अन्याय के खिलाफ उठाना चाहिए आवाज - तिवारी

ग्राहक पंचायत रायपुर ने मनाया राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के रायपुर इकाई ने पिछले दिनों राष्ट्रीय ग्राहक दिवस के अवसर पर वृंदावन हाल आज के युग में ग्राहकों के अधिकार एवं कर्तव्य विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पूर्व राष्ट्रीय सह सचिव विवेक सक्सेना ने ग्राहक संगठन की आवश्यकता एवं कार्य पद्धति की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि हर व्यक्ति जन्म से मृत्यु तक उसकी सभी आवश्यकता को पूरा करने के लिए ग्राहक की भूमिका में होता है। आज वह बाजार से प्रभावित होकर बिना आवश्यकता के भी खरीदी करने लगा है। जागरूकता के अभाव में वह शोषण का शिकार हैं । ग्राहक और दुकानदार के बीच आपसी संबंधों को भी बनाए रखना जरूरी है। आज आवश्यकता ग्राहकों के प्रशिक्षण की है, इसके लिए हर क्षेत्र में कार्यकर्ता टीमों की आवश्यकता है। ग्राहक पंचायत इस दिशा में भी सक्रिय है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष श्री डी पी तिवारी ने उपभोक्ता अधिनियम 1986 में हुए संशोधन की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा उपभोक्ता संरक्षण हेतु कानूनों और नियमों का निर्माण किया गया है। ग्राहकों के संरक्षण के लिए सरकार ने व्यवस्था बनाई हुई है, हमें उसका उपयोग करना चाहिए। हर ग्राहक को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना चाहिए।

महानगर अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा कि आम उपभोक्ताओं ने चिकित्सा क्षेत्र में हो रही लूट पर चर्चा करते हुए इस बात पर ध्यान आकर्षित किया कि अस्पताल में उनके परिसर में स्थापित दुकान से ही दवाई खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। इन दुकानों पर एमआरपी पर किसी तरह का कोई डिस्काउंट ग्राहक को नहीं मिलता है जबकि बाहर वही दवाएं कम रेट पर मिल जाती है। इस समस्या को यथोचित मंच पर उठाने का कार्य ग्राहक पंचायत करेगी। इस अवसर पर ग्राहक पंचायत के केंद्रीय सदस्य रविकांत जायसवाल, आयोग के सदस्य अनिल अग्निहोत्री, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य नीतू पांडे, प्रांत उपाध्यक्ष डॉ शोभा पंडित, सचिव निर्भय शर्मा, प्रशिक्षण प्रमुख अमित वर्मा,महिला प्रमुख मीना तिवारी, विधि प्रमुख प्रिया अग्रवाल, भगवती साहा, अश्विन प्रभाकर,कीर्ती अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

छात्रावास-आश्रम भवन निर्माण में गुणवत्ता और समयसीमा पर दें विशेष ध्यान - प्रमुख सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने इंद्रावती भवन स्थित आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग का औचक निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों के शीघ्र निराकरण, और छात्रावास-आश्रम भवन निर्माण की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई।

प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि छात्रावास और आश्रम भवनों के निर्माण में पूर्ण गुणवत्ता और समयसीमा का पालन किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के लिए विभागीय अधिकारियों और सहायक आयुक्तों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करना आवश्यक है और इसके लिए मासिक व पाक्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। योजनाओं की प्रगति और अपडेशन कार्य को डिजिटाइजेशन के माध्यम से और बेहतर किया जा सकता है, जिससे समय की बचत होगी।

बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में निर्माणाधीन ट्रायबल म्यूजियम और शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के निर्माण कार्य की स्थिति की समीक्षा की गई। श्री बोरा ने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में इन दोनों परियोजनाओं का कार्य 30 जनवरी 2025 तक पूर्ण हो जाना चाहिए। कार्य में तेजी लाने के लिए मैनपावर और अतिरिक्त तकनीकी टीम को बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

प्रमुख सचिव ने कहा कि यह म्यूजियम केवल रायपुर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय होगा। यह जनजातीय जीवनशैली और इतिहास को देशभर में एक अलग पहचान दिलाने में मदद करेगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों, इंजीनियर्स, और क्यूरेटर को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समय पर इसे पूरा करने के निर्देश दिए। प्रमख सचिव श्री बोरा ने जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़ी मांगों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव ने विभागीय योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से लागू करने के लिए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना विभाग का मुख्य उद्देश्य है। बैठक में मुख्यालय के सभी अधिकारी, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सादगी से होगा राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से शोक, आयोजन में कई बदलाव हुए

रायपुर। गुरुवार सायं देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद अब रायपुर में आयोजित होने वाली 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता-2024 के कार्यक्रम में भी बदलाव हुए हैं। वनवासी विकास समिति द्वारा आयोजित की जा रही इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के विभिन्न कार्यक्रम रद्द किए गए हैं। डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन के बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है, जिसके बाद राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता की स्वागत समिति ने भी तय किया है कि प्रतियोगिता के दौरान होने वाली विशाल खेल ज्योति यात्रा, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मातृहस्त भोजन एवं प्रदर्शनी जैसे सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन को भी सादगीपूर्ण एवं औपचारिक तरीके से करने का निर्णय लिया गया है। समय में बदलाव करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को श्रद्धांजलि देने के बाद अब दोपहर 3 बजे प्रतियोगिता का उद्घाटन किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री के निधन के चलते प्रतियोगिता के समापन को भी सामान्य एवं औपचारिक रखा गया है।

गौरतलब है कि राजधानी रायपुर में 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है, जिसमें 25 प्रान्तों के 800 से अधिक जनजातीय खिलाड़ी तीरंदाजी एवं फुटबॉल के खेल में भाग लेने आये हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्था भव्य एवं अभूतपूर्व रखी गई थी, किंतु डॉ मनमोहन सिंह के दिवंगत होने की खबर मिलते ही कार्यक्रम की पूरी रचना में परिवर्तन कर अब इसे सामान्य एवं औपचारिक रखने का निर्णय लिया गया है।

मेडिकल कॉलेज में स्वर यंत्र के कैंसर का सफल इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देशन में रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार हो रही है, जिससे आमजन लाभान्वित हो रहे है।

स्व. लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ लगातार अपनी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए प्रयास करते हुए मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान कर रही है। इस कड़ी में कान, नाक, गला विभाग द्वारा जशपुर निवासी 33 वर्षीय सुशील मुण्डा का डीन डॉ. विनीत जैन एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ.मनोज कुमार मिंज के मार्गदर्शन में सफल ऑपरेशन किया गया।

उल्लखेनीय है कि जशपुर निवासी 33 वर्षीय मरीज सुशील मुण्डा के लिए यह एक विकट स्थिति थी। वह पिछले दो वर्षों से खाँसी की समस्या से पीड़ित थे और पिछले छः महीनों से उसकी आवाज ने भी उसका साथ छोड़ दिया था। वे कई जगह ईलाज के पश्चात निराश होकर मेडिकल कॉलेज रायगढ़ पहुंचे। नाक, कान, गला रोग विभाग में विभिन्न तरह की जांच से पता चला वह स्वर यंत्र के कैंसर से पीड़ित है। जिसका इलाज महंगा है और बड़े महानगरों में होता है, किंतु कान, नाक, गला रोग विभाग के विशेषज्ञ सर्जन ने उन्हें आश्वस्त किया कि इसका इलाज मेडिकल कॉलेज में संभव है और विशेषज्ञ सर्जन द्वारा इलाज की विभिन्न प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। रोगी की सहमति के बाद विभिन्न विभागों ने मिलकर सर्जरी की तैयारी की गई। कान, नाक, गला, रोग, विभाग की सर्जन टीम में विभागाध्यक्ष डॉ. जया साहू, डॉ. दिनेश पटेल सहप्राध्यापक, डॉ नीलम नायक सहायक प्राध्यापक, डॉ.आयुषी सिंह, डॉ. अनिल कुमारी, डॉ स्वाति पवार, डॉ.रमेश पटेल, डॉ भावेश साहू, डॉ खुशबू पटेल, निश्चेतना विभाग टीम के विभागाध्यक्ष डॉ. एएम लकड़ा द्वारा जटिल ऑपरेशन को सफलता पूर्वक किया जिसमें मेडिसिन विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र नायक का भी विशेष सहयोग रहा। ऑपरेशन के बाद कुछ दिनों तक रोगी को आईसीयू में डॉक्टर की निगरानी में रखा गया जहाँ निश्चेतना विभाग, मेडिसिन विभाग, डाइटीशियन और नर्सो की परिचर्या के उपरांत आज रोगी पूर्णतः स्वस्थ हैं और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है।

विशेषज्ञ सर्जन एवं सहप्राध्यापक ईएनटी डॉ.दिनेश पटेल ने बताया कि इस ऑपरेशन का नाम टीएलपीपी (टोटल लेरिंजेक्टमी पार्शियल फेरिंजेक्टमी) है। इसमें पूरा स्वर यंत्र, स्वाँस नली और खाद्य नली का ऊपरी हिस्सा निकाल दिया जाता है, फिर खाद्य नली, श्वांस नली दुबारा बनाया गया है। मरीज को कुछ दिनों तक आईसीयू मैं रखना पड़ता है। जहां डाइटिशियन की निगरानी में पौष्टिक नियंत्रित आहार दिया गया। बातचीत दुबारा सिखाने के लिए स्पीच थेरेपिस्ट कुमारी विकासलता लकड़ा एवं श्रीमती सृष्टि महाशब्दे द्वारा थेरेपी की गई। अब मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है एवं बोलने में सक्षम हैं। इस ऑपरेशन का निजी अस्पताल में पाँच से छह लाख का खर्च आता है। यह सुविधा रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध हैं, जिसमें मरीज का संपूर्ण जांच एवं इलाज निःशुल्क किया गया।

हाइवे पेट्रोलिंग में कार्यरत कर्मचारियों को मिले तत्काल चिकित्सा व्यवस्था : सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस अधीक्षक जिला रायपुर डॉ. लाल उमेंद सिंह द्वारा हाइवे में दुर्घटनों की रोकथाम एवं घायलों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश पर उप पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर गुरजीत सिंह एवं सतीश ठाकुर द्वारा हाइवे पेट्रोलिंग वाहन में कार्यरत कर्मचारियों का बैठक लेकर सुगम व्यवस्था बनाने एवं घायलों को त्वरित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया।

बैठक के दौरान डीएसपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर एवं गुरजीत सिंह द्वारा हाइवे में कार्यरत कर्मचारियों को लगातार पेट्रोलिंग कर नो पार्किंग में वाहन खड़ी नही होने देने, खराब हालत में खड़ी वाहनों को सुरक्षित स्थान पर हटाने एवं पार्किंग लाईट जलाने, रात्रि के दौरान सुगम दृश्य हेतु रेडियम को कपड़े से साफ करने, हाइवे के किनारे स्थित अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट, पेट्रोलपम्प, पान ठेला, एवं अन्य व्यवसायियों से लगातार संपर्क स्थापित कर आपातकाल के दौरान तत्काल सूचित करने हेतु निर्देशित करने बताया गया। इसी प्रकार हाइवे में पड़ने वाले ग्राम पंचायतों के पंच-सरपंच से लगातार समन्वय स्थापित कर मुख्य मार्ग से मवेशियों को हटाकर सुगम व्यवस्था बनाने निर्देशित किया या।

बता दे कि पुलिस मुख्यालय, अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गो में दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं घायलों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्येश्य से वर्ष 2017 में यातायात पुलिस रायपुर को 04 नग हाइवे पेट्रोलिंग वाहन जिले को आबंटित किया गया है जो वर्ष 2017 से लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 53 में महानदी पुल पारागांव से खारून नदी पुल तक लगभग 55 कि.मी. को चार भागों में विभक्त कर संचालित किया जा रहा है। जो हाइवे में लगातार पेट्रोलिंग कर सुगम व्यवस्था बनाने में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहा है। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में भी बहुत ही कारगर साबित हो रहा है। हाइवे पेट्रोलिंग द्वारा वर्ष 2024 में माह जनवरी से नवम्बर तक कुल 68 सड़क दुर्घटना में 90 घायल व्यक्तियों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाई है। साथ ही हाइवे में लगातार 24×7 पेट्रोलिंग कर खतरनाक ढंग से नो पार्किंग में खड़ी वाहनों को हटाकर सुगम व्यवस्था बनाया जा रहा है। वर्ष 2024 में हाइवे पेट्रोलिंग द्व्ज़रा लगभग 8396 वाहनों को नोपार्किंग से हटाया गया है तथा यातायात को बाधित कर मुख्य मार्ग बैठे तथा विचरण करने वाले 1763 से अधिक अवारा मवेरियों को मार्ग से हटाकर सुगम यातायात व्यवस्था संचालन में अपना योगदान दिया गया है।

खास खबर...

अटल बिहारी यूनिवर्सिटी की छात्राओं ने तीरंदाजी में जीता सिल्वर मेडल

रायपुर। कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी भुनेश्वर में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के तहत 24 से 28 दिसंबर 2024 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें गुरुवार को छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले के अटल बिहारी यूनिवर्सिटी के तीरंदाज खिलाड़ियों ने इंडियन वर्ग में खेलते हुए सुलोचना राज, पायल मरावी और मया बघेल ने सिल्वर मेडल हासिल कर राज्य का नाम रौशन किया। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका, छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के महासचिव आयुष मुरारका, उपाध्यक्ष दीपेश अरोरा, इतवारी राज, सौरभ लूनिया ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी।

राज्य में 74.60 लाख मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। वहीं धान खरीदी व्यवस्था पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। राज्य में धान 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। अब तक लगभग 74.60 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एवज में 15.35 लाख किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 16 हजार 785 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। धान खरीदी के साथ-साथ मिलर्स द्वारा धान का उठाव भी शुरू कर दिया गया है। धान उठाव के लिए 46.24 लाख मीट्रिक टन धान के लिए डीओ और टीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध अब तक 21.58 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि

इस खरीफ वर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज 26 दिसम्बर को 56,048 किसानों से 2.37 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 90 हजार 672 से अधिक टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस के लिए 90 हजार 054 टोकन जारी किए गए हैं।

एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा 16 को, पंजीयन 31 तक

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए रविवार 16 फरवरी 2025 को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 31 दिसम्बर 2024 तक वेबसाईट http://eklavya.cg.nic.in से ऑनलाईन पंजीयन कर सकते हैं। ऑनलाईन भरे गये फार्म में त्रुटि सुधार 8 जनवरी 2025 तक की जा सकती है।

रायपुर-बिलासपुर डीआरएम बदले गए

रायपुर। भारतीय रेलवे में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। रेलवे बोर्ड ने देशभर के 23 मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) का तबादला कर दिया है। इस फेरबदल में रायपुर और बिलासपुर मंडल के डीआरएम भी बदले गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, बिलासपुर मंडल में राजमल खोईवाल को नया डीआरएम नियुक्त किया गया है। वे उत्तर पश्चिम रेलवे में एनएफएचएह-आईआरएसएसई अधिकारी के रूप में कार्यरत थे और अब प्रवीण पांडे की जगह लेंगे। वहीं, रायपुर मंडल में कोगंती संबसीवा राव को डीआरएम बनाया गया है। वे दक्षिण मध्य रेलवे में एसएजी-आईआरटीएस अधिकारी के तौर पर सेवाएं दे चुके हैं और अब संजीव कुमार (आईआरएसईई) का स्थान लेंगे।

ब्लैक कलर में बला की खूबसूरत दिखीं अनुष्का सेन

बालवीर फेम अनुष्का सेन इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में अपनी एक्टिंग से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका बोल्ड और हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस अनुष्का सेन बेहद ही टैलेंटेड अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी अच्छी-खासी पहचान बना ली है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक की फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने ब्लैक कलर का बैकलेस बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

खुले बालों को स्टाइलिश लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। हाई हील्स, हाथों में बैग पकड़े हुए और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने इस लुक को बेहद ही स्टनिंग तरीके से निखारा है।

अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 39.9 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

आइटम सॉन्ग के साथ पंजाबी फिल्मों में डेब्यू करेंगी निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी निक्की तंबोली पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। वह जल्द ही फिल्म बदनाम के आइटम सॉन्ग में नजर आएंगी। यह फिल्म फरवरी में रिलीज होने वाली है। निक्की ने कहा, मैं बदनाम का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं। यह एक ऐसा गाना है जो आपको उठकर नाचने पर मजबूर कर देगा और मैं इतनी शानदार टीम के साथ काम करने का मौका पाकर बहुत आभारी हूं।

निक्की हमेशा से ही कुछ नया करने की तलाश में रहती है और बदनाम बस इसी का एक और उदाहरण है। निक्की तंबोली ने गाने पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरे प्रशंसकों को यह गाना उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इस गाने पर काम करने में मजा आया। इस गाने को सुनिधि चौहान ने अपनी आवाज दी है। बदनाम फरवरी 2025 में रिलीज होने वाली है। यह जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि अभिनीत एक रोमांटिक ड्रामा है।

निक्की के करियर पर एक नजर डाले तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। 2019 में उन्होंने तेलुगू हॉरर कॉमेडी फिल्म चिकाती गडिलो चिथाकोटुडु से अपने अभिनय की शुरुआत की। बाद में उन्होंने एक्शन हॉरर फिल्म कंचना 3 में दिव्या के रूप में तमिल में अपनी शुरुआत की। कंचना 3. उनकी तीसरी फिल्म तेलुगु में थिप्पारा मीसम थी। 2020 में, उन्होंने हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भाग लेकर अपना टेलीविजन डेब्यू किया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं।

2021 में उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 11 में भाग लिया। इस शो को केपटाउन में फिल्माया गया था। ह 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा उन्हें कई म्यूजिक वीडियो सहयोग में भी देखा गया था। 2022 में वह गेम शो द खतरा खतरा शो में देखी गईं, जिसे भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था।

निक्की ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म जोगीरा सारा रा रा में कॉकटेल गाने में एक विशेष भूमिका निभाई। 2024 में वह रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात अरबाज पटेल से हुई, जिन्हें स्प्लिट्सविला 15 में भी देखा गया था। उनकी प्रेम कहानी तब शुरू हुई जब वे बिग बॉस मराठी 5 में प्रतियोगी थे। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया।

निखिता ने श्रेया के साथ अपनी पहली मुलाकात को किया याद

पॉप गायिका निखिता गांधी ने एक लोकप्रिय संगीत रियलिटी शो में लोकप्रिय गायिका श्रेया घोषाल के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए बताया कि यह मुलाकात फिल्म निर्माता राजकुमार राव की फिल्म संजू के लिए रिकॉर्डिंग सत्र के दौरान हुई थी।

निखिता और श्रेया घोषाल ने रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म संजू में राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित दो गानों क्रमशः मुझे चांद पे ले चलो और कर हर मैदान फतेह में अपनी आवाज दी थी।

रिकॉर्डिंग के दिनों को याद करते हुए, निखिता ने कहा- मुझे राजकुमार हिरानी की फिल्म संजू के दौरान पहली बार श्रेया से मिलना याद है, जहाँ हम दोनों के गाने थे। मुझे रिकॉर्डिंग सत्र के दौरान उनसे मिलना याद है और वह रिकॉर्डिंग बूथ में अपने टेक कर रही थीं और हर टेक इतना शानदार था। मुझे याद है कि मैं वहां विस्मय में बैठी थी और उनका गायन सुन रही थी। वह उन सबसे शानदार गायिकाओं में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी सुना है।

उन्होंने आगे कहा, उनसे दोबारा मिलकर बहुत अच्छा लगा और मैं एक कलाकार के रूप में उनका बहुत सम्मान करती हूं और जिस तरह से उन्होंने अपनी कला को निखारा है, मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं।

निखिता ने हाल ही में एपी ढिल्लों के ब्राउनपॉइंट टूर में अपने सफल ट्रैक प्रस्तुत किए थे, जिसकी शुरुआत मुंबई से हुई थी और वह अपने लाइव शो के लिए दुनिया भर की यात्रा भी कर रही हैं।

33 वर्षीय गायक ने राब्ता में दीपिका पादुकोण के चेहरे के रूप में शीर्षक ट्रैक राब्ता के लिए गाना गाया है। उन्होंने फिल्म जग्गा जासूस से अरिजीत सिंह के साथ उल्लू का पट्ठा गाना गाया।

उन्होंने सचिन ए बिलियन ड्रीम्स, जब हैरी मेट सेजल, केदारनाथ, लुका छुपी, सूर्यवंशी और टाइगर 3 सहित कई हिंदी फिल्मों के लिए अपनी आवाज का हुनर दिखाया है। निखिता ने लियो, वरिसु, कॉकपिट और किशमिश जैसी फिल्मों के लिए बंगाली और तमिल गाने भी गाए हैं। उनके चार्टबस्टर हिट गानों में आओ कभी हवेली पे, पोस्टर लगवा दो और बादशाह के साथ जुगनू गाने शामिल हैं जो वायरल हिट साबित हुए।

क्या एलोवेरा जूस सेहत के लिए हमेशा सुरक्षित होता है?

एलोवेरा जूस एक ऐसा पेय है, जिसे बेहद सेहतमंद माना जाता है। यह सच है कि एलोवेरा में कई पोषक तत्व होते हैं, जो सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं। हालांकि, क्या यह हमेशा सुरक्षित होता है? इस लेख में हम एलोवेरा जूस से जुड़े कुछ मिथकों पर चर्चा करेंगे और जानेंगे कि इसे डाइट में जोड़ते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि इसका सही लाभ मिल सके और संभावित नुकसान से बचा जा सके।

एलोवेरा जूस के फायदे और नुकसान

एलोवेरा जूस को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बताया जाता है, क्योंकि यह पाचन को सुधारने और त्वचा की देखभाल करने में मदद करता है। हालांकि, इसका अधिक सेवन पेट दर्द या दस्त जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। इसीलिए, इसे संतुलित मात्रा में ही लेना चाहिए। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं या दवा ले रहे हैं, तो इसे खान-पान का हिस्सा बनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें, ताकि कोई अनचाही समस्या न हो।

गर्भवती महिलाओं को नहीं करना चाहिए इसका सेवन

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपनी डाइट का खास ध्यान रखना होता है। इस समय एलोवेरा जूस का सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि एलोवेरा जूस में मौजूद कुछ तत्व गर्भस्थ शिशु पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। यह शिशु के विकास में बाधा डाल सकता है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को एलोवेरा जूस पीने से बचना चाहिए या विशेषज्ञ की राय अवश्य लेनी चाहिए, ताकि कोई समस्या न हो।

बच्चों के लिए नहीं है फायदेमंद

मां-बाप बच्चों को हमेशा पौष्टिक खाद्य पदार्थ देने की कोशिश करते हैं। हालांकि, एलोवेरा जूस का सेवन उनके लिए फायदेमंद नहीं होता है। बच्चों का पाचन तंत्र वयस्कों जितना मजबूत नहीं होता है और एलोवेरा जूस उनके पेट में दर्द पैदा कर सकता है। इससे पेट में ऐंठन हो सकती है या दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बच्चों को यह देने से पहले बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें।

दवा लेने वालों के लिए चेतावनी

अगर आप कोई दवा ले रहे हैं, तो एलोवेरा जूस पीने से पहले सावधानी बरतें। यह कुछ दवाओं के साथ प्रतिक्रिया कर सकता है और उनकी प्रभावशीलता को कम कर सकता है या साइड इफेक्ट्स बढ़ा सकता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है, ताकि आपकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर बनी रहे और कोई अनचाही समस्या न हो। एलोवेरा जूस के फायदे होते हुए भी इसका सेवन सोच-समझकर करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान से बचा जा सके।

सिद्धार्थ और जाह्नवी कपूर की परम सुंदरी की रिलीज तारीख का ऐलान

जाने-माने अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा आने वाले दिनों में कई फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। उनकी फिल्मों की सूची में परम सुदंरी भी कतार में हैं, जिसमें उनकी जोड़ी पहली बार अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ बनी है।आखिरकार अब परम सुदंरी की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। फिल्म से सिद्धार्थ और जाह्नवी की पहली झलक भी सामने आ गई है।आइए बताते हैं यह फिल्म कब रिलीज होगी।

परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर या कहें बड़े कारोबारर का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की (परम सुंदरी) के किरदार में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है, जो अपनी परंपराओं व उसूलों की पक्की है।फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे 2 एकदम अलग-अलग मिजाज के लोग एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। यह फिल्म उनकी प्रेम कहानी पर केंद्रित होगी।

परम सुंदरी 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। तुषार जलोटा इस फिल्म के निर्देशक हैं।फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल सिद्धार्थ के साथ दिल्ली में शुरू होगा। इसके बाद केरल में कुछ हिस्से की शूटिंग की जाएगी।बची हुई शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां 2 बड़े सेट बनाए जाएंगे। एक सेट पर दिल्ली का एक आलीशान बंगला बनाया जाएगा, जबकि दूसरा सेट केरल के पारंपरिक घर की तरह होगा।

अलीशा परवीन का खुलासा, रातोंरात 'अनुपमा' से निकाला

टीवी का प्रसिद्ध शो अनुपमा इन दिनों लगातार किसी ना किसी वजह से चर्चा का विषय बना हुआ है। शो से निकाले जाने के बाद अलीशा परवीन ने अब खुलासा किया है कि उन्होंने खुद शो को नहीं छोड़ा है बल्कि मेकर्स ने उनका 3 साल का कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया और उन्हें शो से निकाल दिया है। अनुपमा में अलीशा परवीन की जगह लेना प्रशंसकों के लिए सबसे चौंकाने वाली जानकारी में से एक था। अभिनेत्री ने पहले ही अचानक बाहर निकाले जाने पर अपना अविश्वास व्यक्त किया है, उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें रातों-रात उनके जाने की सूचना दी गई थी।

अलीशा ने यह भी चर्चा की है कि क्या उनके और रूपाली गांगुली के बीच सेट पर कैसे संबंध थे। अब, अलीशा ने खुलासा किया है कि निर्माताओं ने उनका तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा और बिना किसी पूर्व सूचना के उन्हें शो से हटा दिया गया। अलीशा ने निर्माताओं के फैसले को अस्वीकार कर दिया है।

एक इंटरव्यू के दौरान अलीशा परवीन ने बताया कि उनसे अनुपमा शो के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करवाया गया था, जिसमें कहा गया था कि वह तीन साल तक शो नहीं छोड़ सकती हैं। हालांकि, निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि अगर मेकर्स ने उनसे वादा लिया था, तो टीम को भी वादा करना चाहिए था कि वे उन्हें शो से नहीं निकालेंगे।

अलीशा परवीन ने कहा, रातों रात किसी को भी शो से निकाल देना बहुत गलत बात है। आप मानसिक रूप से उसके सपनों के साथ खेल रहे हैं। इसी बातचीत में अलीशा ने बताया कि कॉन्ट्रैक्ट में रिप्लेसमेंट वाली बात किसी ने नहीं लिखी थी और अनुपमा के मेकर्स को उन्हें जमानत देनी चाहिए थी। अपने संघर्षों को याद करते हुए, अलीशा ने कहा कि उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की है, लेकिन बाहर निकलना कुछ सेकंड ही लगे।

कुछ दिनों पहले, अलीशा ने इंस्टाग्राम एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें अनुपमा एपिसोड से उनके और शिवम खजूरिया के साथ वीडियो क्लिप थी। इस वीडियो के साथ अलीशा ने कैप्शन में लिखा, मैंने नहीं छोड़ा, मुझे बदल दिया गया। यह मेरे लिए बहुत कठिन था! जब आप अपने किरदार को इतनी ताकत, शक्ति, प्यार, खुशी, सब कुछ देते हैं, तो आपको बिना जाने रातोंरात बदल दिया जाता है, यह दिल टूटने जैसा है! लेकिन मैं सिर्फ आप सभी की वजह से मुस्कुरा रही हूं, आपका समर्थन, आपका प्यार! हमेशा आपकी राही! प्यार के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। रूपाली गांगुली के नेतृत्व वाले शो अनुपमा में अद्रिजा रॉय, राही का किरदार निभाएंगी।

रणवीर और आदित्य की फिल्म की शीर्षक से उठा पर्दा, नाम हैं धुरंधर

निर्देशक आदित्य धर नई फिल्म पर काम कर रहे हैं। इसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे सितारे हैं। फिल्म एक्शन से भरपूर है। अब इससे जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। इसका टाइटल लीक हो गया है। दरअसल, इस फिल्म का अमृतसर का शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है। इसकी जानकारी एक्टर राकेश बेदी ने साझा की। इसके साथ उन्होंने केक कटिंग की फोटो भी पोस्ट की, जिसमें फिल्म का टाइटल लिखा है।

आदित्य धर की एक्शन से भरपूर इस फिल्म का नाम है धुरंधर। केक पर यही नाम लिखा है। साथ ही शूटिंग पूरी होने की जानकारी भी साथ है। केक पर रणवीर सिंह, आर माधवन, अक्षय खन्ना, राकेश बेदी, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल की तस्वीरें भी है। अमृतसर में इस फिल्म की शूटिंग करीब एक महीने तक चली।

एक्टर राकेश बेदी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। उन्होंने पोस्ट के साथ कस्टम केक की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, फिल्म धुरंधर का अमृतसर का महीनेभर का शेड्यूल पूरा हो गया है। इस फिल्म को आदित्य धर प्रोड्यूसर कर रहे हैं और निर्देशन भी वही कर रहे हैं। फिल्म धुरंधर एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी। दर्शकों के बीच इसे लेकर काफी उत्साह है।

हाल ही में अमृतसर शूट के दौरान फिल्म की स्टारकास्ट स्वर्ण मंदिर के दर्शन करने भी पहुंची थी। इस दौरान फिल्म के निर्देशक आदित्य धर, यामी गौतम अपने बेटे वेदाविद के साथ नजर आए। साथ में संजय दत्त और रणवीर सिंह भी स्वर्ण मंदिर माथा टेकने पहुंचे। इस फिल्म में यामी गौतम के भी अहम रोल में होने की खबर है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदर लाल पटवा की पुण्यतिथि तथा अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 28 दिसंबर को स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे और सुंदर लाल पटवा की पुण्य तिथि तथा अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कुशाभाऊ ठाकरे जी के देश के लिए योगदान को याद करते हुए कहा है कि कुशाभाऊ जी नैतिकता, आदर्श व सिद्धांतों के प्रकाश स्तंभ थे। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण अटूट था। कुशाभाऊ ठाकरे जी ने समाज के प्रत्येक वर्ग की सुख-समृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से काम किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे जी जैसे निष्काम कर्मयोगी के विचार और जीवनमूल्य हमें सदैव देश सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पद्मविभूषण स्वर्गीय अरूण जेटली की 28 दिसंबर को जयंती पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने कहा कि जेटली जी ने भारत के वित्त, रक्षा, कॉरपोरेट मामले, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभागों को कुशलता से संभाला और देश के विकास को नई गति दी। उन्होंने देश की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जेटली जी को वित्तीय मामलों का गूढ़ जानकार माना जाता था। उन्होंने भारत में आर्थिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अरुण जेटली जी का देश के विकास में दिया गया अमूल्य योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

इसी तरह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री पद्म विभूषण श्री सुन्दर लाल पटवा की 28 दिसंबर को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा कि पटवा जी अनुशासनप्रिय व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। सौम्य व्यक्तित्व, कुशल संगठन क्षमता से युक्त, ओजस्वी वक्ता और विभिन्न जनसमस्याओं को उठाने वाले जुझारू नेता के रूप में पटवा जी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने समाज के हर तबके के लिए काम किया और किसान हितैषी कई फैसले लिए।

वे सहकारी आंदोलन से जुड़े और अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों को संभाला। उन्होंने सहकारिता आंदोलन को जनोन्मुखी बनाया। उनके कार्यकाल में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से कमजोर वर्गों, शिल्पियों और श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के सफल प्रयोग किये गये। श्री साय ने कहा कि पटवा जी का व्यक्तित्व और कृतित्व हमें सदैव अपने दायित्वों का उत्कृष्टतापूर्वक निर्वहन करने की प्रेरणा देता रहेगा।

उप स्वास्थ्य केन्द्र अहेरी को मिला राज्य में प्रथम स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के विकासखण्ड धमधा के अंतर्गत संचालित उप स्वास्थ्य केन्द्र अहेरी को कायाकल्प योजना अंतर्गत छ.ग. राज्य में संचालित शासकीय अस्पतालों में सफाई प्रबंधन, रोग नियंत्रण, भवन एवं परिसर सौंदर्यीकरण, रोगी सेवा में सुधार हेतु स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत, स्वच्छ अस्पताल योजना में किये गये कार्यों के आधार पर वर्ष 2023-24 के लिए उप स्वास्थ्य केन्द्र की श्रेणी में राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार मिला है। विगत दिवस मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरूण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मौजूदगी में अस्पताल प्रबंधन को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो और एक लाख रूपए की राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में उप स्वास्थ्य केन्द्र अहेरी में पदस्थ सीएचओ दीपशिखा यादव, आरएचओ प्रतिम चंद साहू, आरएचओ अंबिका सिन्हा के द्वारा कायाकल्प योजना के मानकों के अनुरूप कार्य कर उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया गया। इस कार्य में जिले की समस्त टीम जिला क्वालिटी नोडल अधिकारी डॉ. आर.के. खण्डेलवाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा, डॉ. रश्मि भोसले, डॉ. नेहा राजपूत, शोभिका गजपाल, प्रीतिका पवार, संभागीय सलाहकार कविता चंद्राकर तथा विकास खण्ड धमधा से खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी.पी. ठाकुर, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक ऋचा मेश्राम का समर्पित योगदान रहा।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान

बेमेतरा में हुआ जिला स्तरीय कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत विगत दिवस एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला पंचायत सभागार में आयोजित हुई। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी चंद्रबेस सिंह सिसोदिया, जिला बाल संरक्षण अधिकारी व्योम श्रीवास्तव, एवं परियोजना समन्वयक राजेंद्र चंद्रवंशी ने प्रमुख रूप से प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों, परियोजना अधिकारियों, परिवेक्षकों, मिशन वात्सल्य के कर्मचारियों, डीपीएम बिहान एवं डीपीएम स्वस्थ ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य :

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 के प्रावधानों के अनुरूप बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को प्रभावी बनाना था। इसमें बाल विवाह के कुप्रभावों जैसे शिक्षा में बाधा, मानसिक एवं शारीरिक विकास में रुकावट, समयपूर्व गर्भावस्था, शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में वृद्धि एवं कुपोषण जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई। अंत में शपथ दिलायी गई ।

अभियान में सहभागिता :

इस अभियान के तहत विकासखंड, सेक्टर और ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि धर्म पुरोहित, टेंट हाउस, डीजे-बैंडबाजा संचालक, रसोइया, फोटोग्राफर, और शादी कार्ड छापने वालों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि समाज में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

अगले चरण की कार्य योजना

जिले के सभी 46 सेक्टरों में सेक्टर स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यशालाओं में ग्राम पंचायत स्तर के सभी सरपंच, पंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, स्व-सहायता समूह की सदस्य, जनप्रतिनिधि, एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भाग लेंगे। जिला प्रशासन का यह प्रयास बाल विवाह रोकने और एक स्वस्थ एवं शिक्षित समाज के निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के हर वर्ग से सहयोग की अपील की गई है।

उचित व्यवस्था के तहत जारी रहे धान खरीद : कलेक्टर

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा 14 नवम्बर से शुरू किये गये धान खरीदी जिले में सुचारू रूप से जारी है। उपार्जन केन्द्रों में उचित व्यवस्था सुनिश्चित कर किसानों से धान खरीदी की जा रही है। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों पर सुचारु और पारदर्शी तरीके से धान खरीदी हो रही है। केन्द्रों में सभी प्रकार की सुविधाएं सुनिश्चित की गई है। इस संबंध में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने आज खाद्य, सहकारिता, बैंक, नागरिक आपूर्ति निगम सहित संबंधित विभाग के अधिकारी की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को समितिवार धान की खरीदी, बंद धान का परिवहन, बारदाना, उठाव सहित अन्य जानकारी ली। कलेक्टर ने धान की खरीदी निरंतर जारी रखने, धान उठाव के लिए लगातार परिवहन करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी समिति में पर्याप्त नये एवं पुराने बारदानें की व्यवस्था करने को कहा जिससे की धान की खरीदी सुचारु रुप से जारी रहे।

जीवन के खेल में हर बार विन करना नहीं परंतु अपना बेस्ट देना होता है आवश्यक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आप अपना बेस्ट परफॉर्म करना चाहते है या फिर कितना भी पढ़ाई कर ले पर वह डिपेंड करता है आपके मन की शांत और पॉजिटिव स्थिति के ऊपर। यह बातें मोटिवेशनल स्पीकर और वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में चल रहे विंटर कार्निवल के तीसरे दिन के प्रथम सत्र में कही।

तत्पश्चात् विंटर कार्निवाल के दूसरे चरण में बच्चों के खेलों की सुंदर झिलमिल से अंतर्दिशा भवन का छोटा सा प्रांगण आसमा के नीचे धरती की गोद में बच्चों के आउट डोर गेम्स से चमक उठा।

स्नोई बॉयज ने वार्मअप एक्सरसाइज करवाकर होने वाले खेलो के बारे में बताते हुए कहा कि आप सभी को इन खेलों में हार जीत को छोड़कर सभी के दिलों को जीतने का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।

ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने गेम्स प्रारंभ होने के पूर्व सभी बच्चों को कमेंट्री द्वारा राजयोग मेडिटेशन करवाते हुए कहा कि हमें जीवन के किसी भी परिस्थितियों के लिए तन और मन से रेडी रहना है। आपने सभी को स्वामान दिया की मै शक्तिशाली आत्मा हुं (आई एम पावरफुल सोल)। खेलों के बीच बीच में भी मन को एकाग्र कर लक्ष्य प्राप्ति के टिप्स दिए गए।

खेल-खेल में वैल्यूज बताया कि हमेशा विन करना नहीं होता है आवश्यक परंतु यह देखना चाहिए कि मैं अपना बेस्ट दिया या नहीं।

बच्चों को कृतज्ञता के गुण का महत्व बताते हुए सिखाया कि कैसे हारने पर भी अपने प्रतिद्वंदी का सम्मान करने से स्वयं का भी आत्म सम्मान बढ़ता है और हमारे लिए भविष्य में सफलता का दरवाजा खुल जाता है। भिलाई सेवाकेंद्रो की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने बच्चों का उमंग उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जीवन में रेस रीस (ईर्ष्या) को छोड़कर खुशी आनंद से खेलते हुए जीत हासिल करनी है।कभी भी हमारा उमंग उत्साह कम न हो चाहे हारे या जीते। आज बच्चों ने आऊट डोर गेम्स में बैलेंसिंग गेम,स्टॉप एंड मूव,टॉक एंड साइलेंस,नींबू दौड़,जिलेबी दौड़,लंगड़ी दौड़, रनिंग रेस आदि खेलों को खेलकर इस विंटर कार्निवाल का भरपूर आनंद लिया।

विशेष इन सभी खेलों में डिसिप्लिन व प्रैक्टिस को महत्व देते हुए बच्चों का मार्क्स दिया गया न कि केवल खेल की परफॉर्मेंस पर। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षकगण, जिला खेल अधिकारी ,स्पोर्ट्स टीचर, अभिभावक उपस्थित रहे।

पांच सिंचाई योजनाओं के भू-अर्जन के लिए 53 करोड़ 95 लाख रूपए की राशि राज्य शासन से मंजूर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। जिले में पांच सिंचाई योजनाओं के अंतर्गत भू-अर्जन प्रकरणों के निराकरण के लिए राज्य शासन से 53 करोड़ 95 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। जल संसाधन विभाग द्वारा इन योजनाओं के लिए ई-कुबेर के माध्यम से 80 प्रतिशत राशि जमा कर दी गई है। इन योजनाओं के तहत जिले के 42 ग्रामों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है, जिसमें 716 किसान प्रभावित होंगे और 149.229 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने शनिवार को भू-अर्जन प्रकरणों के शीघ्र और प्रभावी निराकरण के लिए एसडीएम, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी तथा जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता, एसडीओ और सब-इंजीनियरों को निर्देशित किया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों और रिकॉर्ड के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित बैठक में उपस्थित हो। कलेक्टर ने पटवारियों को विशेष रूप से बस्ते के साथ बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए हैं।

इन योजनाओं के क्रियान्वयन से जिले में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और किसानों को उनकी कृषि भूमि पर बेहतर उत्पादन का अवसर मिलेगा। भू-अर्जन प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गए हैं।

जिले की इन पांच सिंचाई परियोजनाओं में 42 ग्रामों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है, जिसमें 716 किसान प्रभावित होंगे और 149.229 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। इन परियोजनाओं में घटोला जलाशय, जगमड़वा जलाशय, बड़ौदा खुर्द जलाशय, रामपुर बरेंडा व्यपवर्तन और हॉप नदी व्यपवर्तन योजना शामिल हैं। घटोला जलाशय परियोजना के अंतर्गत तीन ग्रामों के 26 किसान प्रभावित होंगे, जिनकी 8.472 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। इसमें ग्राम घटोला, सराई पतेरा और नवागांव शामिल हैं। जगमड़वा जलाशय परियोजना के अंतर्गत 15 ग्रामों के 286 किसान, 67.79 हेक्टेयर भूमि, बड़ौदा खुर्द परियोजना में 13 ग्रामों के 205 किसान, 44.260 हेक्टेयर भूमि, रामपुर बरेंडा जलाशय में दो ग्रामों के 56 किसान, 5.786 हेक्टेयर भूमि और हॉप नदी व्यपवर्तन योजना में 9 ग्रामों के 141 किसान, 22.920 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन आर.बी. देवांगन ने बताया कि राज्य शासन से इन पांचों सिंचाई योजनाओं के अंतर्गत भू-अर्जन के लिए 53 करोड़ 95 लाख रूपए की राशि स्वीकृत हो चुकी है और जल संसाधन विभाग द्वारा ई-कुबेर के माध्यम से यह राशि जमा कर दी गई है।

नि-क्षय सूरजपुर के लिए अंतर विभागीय कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। नि-क्षय निरामय कार्यक्रम के अंतर्गत होटल आदित्या में अन्तर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन लेप्रा सोसाइटी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में स्टेक होल्डर्स का सेंसटाइजेशन एवं एसीएफ 100 दिवसीय कैंपिंग में शिविर केवीपी मेपिंग अन्य स्वास्थ्य संबंधी सुझाव डाटा लिया जा सके जिसमें शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खनिज विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मितानिन कार्यक्रम, पिरामल फाऊंडेशन आदि संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर एस सिंह महासचिव इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लिए सामुदायिक सहभागिता अति आवश्यक है। जिसके लिए विभिन्न विभागों से तालमेल और बेहतर समन्वय बनाने की आवश्यकता है। जो भी विभाग अपनी आंतरिक बैठक करता है उसमें टीबी मुक्त पंचायत के मापदंडों पर अवकाश चर्चा करें इससे सम्भावित टीबी पेसेंटों की पहचान करने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ कपिलदेव पैकरा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि टीबी हारेगा देश जीतेगा इसके लिए सभी विभागों का समन्वय होना अति आवश्यक है। जनभागीदारी जितना बढ़ेगा उतनी अधिक सफलता मिलेगी। विभाग के द्वारा क्रियान्वित गतिविधियों को सभी गम्भीरता से लेते हुए कार्य करना है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

पत्थरों के बीच दबी मिली नवजात बच्ची, उपचार के दौरान तोड़ा दम

सीतापुर (ए.)। ग्राम पेटला कोयलापानी में सुनसान खेत मे पत्थरों से दबी मिली नवजात बच्ची की मौत हो गई।बच्ची ने उपचार के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दम तोड़ दी।

विदित हो कि शुक्रवार शाम को ग्राम पेटला के कोयलापानी क्षेत्र में एक सुनसान खेत मे पत्थरों से दबी एक लावारिस नवजात बच्ची मिली थी। जिस पर ग्रामीणों की नजर पड़ने के बाद उस नवजात बच्ची को उपचार हेतु सीतापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। जहाँ चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में उसका उपचार जारी था। उपचार के दौरान उसकी हालत में सुधार देखा गया था। देर रात उपचार के दौरान बच्ची की तबियत बिगड़ने लगी और आखिरकार उसने दम तोड़ दिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के दौरान नवजात बच्ची की सुध लेने विधायक रामकुमार टोप्पो हॉस्पिटल पहुँचे।जहाँ उन्होंने उपचार के दौरान बच्ची की देखरेख कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों से बच्ची के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बच्ची की देखरेख एवं उसके उपचार में हरसंभव मदद की बात कही। इस संबंध में बीएमओ डॉ अमोष किंडो ने बताया कि उपचार के दौरान बच्ची की तबियत बिगड़ने लगी थी। रात को उसने उल्टी की और उसके नाक से खून भी निकल रहा था। जिसके बाद उस नवजात ने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद ही उसके मौत की वजह स्पष्ट हो पायेगा।

सूने मकान से जेवर पार

रायपुर। अवनी विहार कालोनी दलदल सिवनी स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवर सहित साड़ी पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया मीना शर्मा 69 वर्ष अवनी विहार कालोनी दलदल सिवनी की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलामरी में रखे सोने-चांदी के जेवर व साड़ी पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 70 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार कैलाशपुरी चौक निवासी प्रार्थी मिथलेश साहू 27 वर्ष ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलई 7617 को कैलाशपुरी स्थित एएन एडवांस पैथोलॉजी के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में वीआईपी सिटी सड्डू निवासी इंदल निषाद 39 वर्ष ने विधानसभा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 05 पीक्यू 1090 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 40 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

भिलाई में युवक-युवती ने ट्रेन से कटकर दी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में सुपेला अंडरपास के नजदीक बीती रात युवक-युवती ने ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। घटना गुरुवार आधीरात लगभग 12 बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद सुपेला पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को सुपेला शास्त्री अस्पताल में मरच्यूरी भेजा गया। शुक्रवार को दोनों का पोस्टमार्टम किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात को डाउन लाइन पर सुपेला अण्डरपास के बगल में पोल नंबर 859/18 के पास युवक युवती के क्षत-विक्षत शव पाए गए। दोनों ने ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी की। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने रात को ही दोनों के शव सुपेला शास्त्री अस्पताल भिजवा दिए। मृतक युवती की पहचान राजीव नगर जोन - 2 बीएमवाय चरोदा निवासी श्रेया फर्नांडीज पिता विल्सन फर्नांडीज (26) के रूप में हुई है। मृतक युवक की पहचान राहुल कुमार सिंह पिता वीर सिंह (30) निवासी ब्लाक 10, रुम नं 18 सड़क 11 हास्पिटल सेक्टर भिलाई के रूप में हुई है।

गुरुवार सुबह घर से निकली थी युवती

युवती के परिजनों ने बताया कि श्रेया फर्नांडीज 26 दिसंबर को सुबह 11 बजे चरोदा से स्कूटी निकली थी। वह सुपेला में किसी मोबाइल शॉप में काम करती थी। परिजनों ने बताया कि घर पर क्रिसमस सेलीब्रेशन रखा गया था और देर शाम उसे फोन किया तो आने की बात की। इसके बाद दोबारा फोन करने पर उसका स्विच ऑफआने लगा। इसके बाद सुबह श्रेया की मौत की खबर मिली। परिजनों ने यह भी बताया कि श्रेया की दो महीने बाद शादी होने वाली थी। परिजनों ने श्रेया की पसंद के लड़के से ही शादी तय की थी।

मृतक युवक पहले से शादी-शुदा

श्रेया फर्नांडिज के साथ खुदकुशी करने वाला युवक राहुल कुमार सिंह पहले से विवाहित है। राहुल शेयर मार्केट में काम करता था। बताया जा रहा है कि श्रेया पहले चरोदा के ही रुद्रा मोबाइल में काम करती थी। पिछले दो-तीन महीने से सुपेला में किसी मोबाइल शॉप में काम करना शुरू किया। दोनों के बीच कब से प्रेम संबंध था और एक साथ मौत को गले लगाने की वजह का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। सुपेला पुलिस मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

हाथियों का दल खेतों में लगे फसलों को पहुंचाया नुकसान

सीतापुर (ए.)। क्षेत्र के जंगलों में 35 सदस्यीय जंगली हाथियों का दल रात से विचरण कर रहा है। शावकों समेत नर,मादा का यह 35 सदस्यीय दल घरों के अलावा फसलों को काफी नुकसान पहुँचा रहा है। जंगल मे हाथियों की मौजूदगी देखते हुए वन अमला इन पर पैनी नजर रखे हुए है।इस दौरान लोगों को जंगलों में जाने एवं हाथियों से दूर रहने को कहा जा रहा है।

विदित हो कि वनपरिक्षेत्र सीतापुर के जंगलों में 35 सदस्यीय हाथियों का दल विचरण कर रहा है। विचरण के दौरान हाथियों ने दो मकान एवं रहर,आलू समेत अन्य फसलों को नुकसान पहुंचाया है। जंगली हाथियों ने ग्राम शिवनाथपुर के सुकरु आ पुस्तम के घर एवं फसलों को काफी नुकसान पहुँचाया है। इसके अलावा ग्राम कानापारा में रामसाय एक्का अंजलुस एक्का एवं इंदर एक्का के मकान समेत लीनुस मिंज एवं तेज कुजूर के खेतों में लगी रहर की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया है।

जंगल मे 35 सदस्यीय हाथियों को लेकर वन अमला पूरी तरह सतर्क है। वन विभाग के अधिकारी लोगों को जंगल जाने एवं हाथियों से दूर रहने की अपील कर रहे है। ताकि किसी तरह के जानमाल के नुकसान से बचा जा सके। पूरी रात मकान एवं फसलों को नुकसान पहुँचाने के बाद हाथियों का दल ग्राम ललितपुर के बीजाटिहली पहाड़ में डटा हुआ है। वन विभाग का मैदानी अमला जंगली हाथियों के दल पर नजर जमाये हुए हैं।

प्रेमी जोड़े ने अपने ही घर को किया आग के हवाले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय में शुक्रवार की दोपहर लिव इन में रह रहे प्रेमी जोड़े के बीच उपजा विवाद उस समय बड़ी घटना में तब्दील हो गया जब उन्होंने अपने ही घर को आग के हवाले कर दिया। आगजनी की इस घटना में घर का पूरा सामान जलकर खाक हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार जूटमिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बजरंग पारा अटल आवास में रहने वाले प्रेमी जोड़े के बीच शुक्रवार की दोपहर दो बजे के आसपास किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद उन्होंने अपने ही घर को आगे के हवाले कर दिया। इससे घर में रखा टीवी, फ्रिज, कूलर, राशन के अलावा घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। अटल आवास के तीसरे फ्लोर में अचानक आग लगने की घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी की स्थिति हो गई।

आगजनी की यह घटना विकराल रूप ले पाती उससे पहले ही पड़ोसियों ने फायर बिग्रेड की टीम को सूचना देते हुए स्वयं आग बुझाने की कोशिश की और तकरीबन आधे घंटे की मशक्कत के बाद पूरी तरह से आग पर काबू पा लिया। परंतु तब तक घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि बजरंग पारा अटल आवास में पूनम सिदार और सुरेन्द्र राजपूत लिव इन में रह रहे थे। सुबह किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और उन्होंने अपने ही घर में आग लगा दी और फरार हो गए।

जिला दण्डाधिकारी ने किया दो बदमाशों का जिला बदर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला दण्डाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त मो. इमरान और तेजिंदर सरदार को एक वर्ष की अवधि तक जिले की सीमावर्ती जिलों की सीमाओं से बाहर रहने आदेशित किया है।

जिला दण्डाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक दुर्ग के प्रतिवेदन पर बदमाशों के अपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण किए जाने तथा आम जनता में अमन-चैन और कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु जनहित में मोहम्मद इमरान पिता मो. गुफरान निवासी इमामबाड़ा कैम्प 02 शीतला मंदिर के पास भिलाई थाना छावनी तहसील व जिला दुर्ग और तेजिन्दर सरदार उर्फ टोनी सरदार पिता गुरूचरण सिंह शाकिन पचरीपारा दुर्ग हाल मुकाम गुरूद्वारा के पास संतराबाड़ी दुर्ग थाना मोहन नगर तहसील व जिला दुर्ग को राजस्व जिला दुर्ग एवं उसके सीमावर्ती जिले रायपुर, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं धमतरी जिले की सीमाओं से आदेश तिथि 23 दिसंबर 2024 से एक सप्ताह के भीतर बाहर चले जाने कहा है।

जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार आदेश तिथि से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी के आदेश के बिना मो. इमरान एवं तेजिन्दर सरदार प्रवेश नहीं कर सकेंगे। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार आरोपी मोहम्मद इमरान पिता मो. गुफरान थाना क्षेत्र छावनी का आदतन अपराधी है। इनके विरूद्ध थाना छावनी में अपराधिक गतिविधियों से संबंधित विभिन्न धाराओं में 18 प्रकरण दर्ज है। इसी प्रकार तेजिन्दर सरदार भी थाना दुर्ग क्षेत्र का आदतन अपराधी है। इनके विरूद्ध थाना दुर्ग और थाना मोहननगर में विभिन्न अपराधिक गतिविधियों से संबंधित 9 प्रकरण दर्ज है। ये दोनों अत्यंत क्रूर प्रवृत्ति के है एवं इनके आतंक से लोग भयभीत होकर दहशत में है। इनके विरूद्ध लोगों के द्वारा गवाही देने में जान का खतरा बना रहता है। इनके द्वारा गुण्डागर्दी, मार-पीट, अवैध रूप से सट्टा खिलाने, वाहनों की चोरी तथा हत्या जैसे जघन्य अपराध में संलिप्त होने का कार्य करते है। इनके कृत्यों में आस-पास के अपराधिक प्रवृति के लोग भी सम्मिलित होते है। जिससे इनके हौसला दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इनके अपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण एवं अंकुश लगाना जरूरी हो गया है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए न्यायालयीन आदेश पारित कर आपराधिक प्रवृत्ति में संलिप्त मोहम्मद इमरान और तेजिन्दर सरदार को 01 वर्ष के लिए जिलाबदर किया गया हैं।

अज्ञात बाइक चालक ने अधेड़ ग्रामीण को मारी टक्कर, हुई मौत

रायगढ़ (ए.)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में छठी कार्यक्रम से पैदल घर लौट रहे अधेड़ ग्रामीण को अज्ञात बाइक चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी और फरार हो गया। इस दुर्घटना में घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। मृतक के बेटे की शिकायत पर लैलूंगा ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, लैलूंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खार गांव निवासी हिमांशु भगत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कल उसके पिता बालक राम भगत, छोटी बहन कुसूम भगत एवं भतीजा संजू भगत के साथ छठी निमंत्रण पर बगईझराई पारा गए हुए थे। वहां से शाम करीब 6 बजे के आसपास जब तीनों पैदल घर आ रहे थे। इसी दौरान ग्राम खुसरमुडा कांक्रेटिंग मार्ग के पास अज्ञात बाइक चालक ने बालक राम भगत को पीछे से जोरदार टक्कर मारते हुए फरार हो गया। हादसे में बालक राम भगत के चेहरे, माथा, सिर में चोंट लगी। ग्रामीणों ने परिजनों को इस घटना से अवगत कराया।

हिमांशु भगत ने बताया की वह अपने पिता को घायल अवस्था में पड़ोसियों की मदद से लैलूंगा अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां मौजूद डॉक्टर ने प्रारंभिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। बहरहाल मृतक के पुत्र की रिपोर्ट के बाद लैलूंगा पुलिस ने आरोपी फरार अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है।

सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत

कांकेर (ए.)। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर थाने के तहत एक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। कार ने बाइक सवार पांच लोगों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे पांचों की मौके पर ही मौत हो गई। शुक्रवार को भानुप्रतापपुर से अंतागढ़ मार्ग पर खंडी नदी के पास ये हादसा हुआ है। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मरने वालों की शिनाख्त करने में जुटी है।

छत्तीसगढ़ में दुर्घटनाओं का ग्राफ साल दर साल बढ़ता जा रहा है। लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया जा रहा है,बावजूद इसके सड़क दुर्घटनाओं में कमी नहीं हो रही है। कांकेर जिले में सड़क दुर्घटनाओं में छह साल में 1100 लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। वहीं 2084 लोग घायल हुए हैं। छह साल में 2012 सड़क दुर्घटनाओं के प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

वाहन दुर्घटना के 12 प्रकरणों में आर्थिक सहायता राशि का किया भुगतान

बेमेतरा (ए.)। मोटरयान (संशोधन) अधिनियम के तहत टक्कर मारकर भागना मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर स्कीम 2022 सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का अधिसूचना में प्रतिकर संदाय करने की प्रक्रिया विधित की गयी है। बता दें कि भारत सरकार, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार अज्ञात वाहन द्वारा सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाने से मृतक के निकटतम वारिसान को 2,00,000/- रुपये एवं गंभीर रूप से घायल हो जाने पर पीड़ित व्यक्ति को 50,000/- रुपये का आर्थिक सहायता प्रदाय किये जाने का प्रावधान है। इसी क्रम मे जिला बेमेतरा अंतर्गत दावा जांच अधिकारी/एस.डी.एम द्वारा दावा निपटान अधिकारी/कलेक्टर को कुल 25 आर्थिक सहायता प्रकरण प्रेषित किया गया है, जिसमें प्रत्येक प्रकरण में मृतक के निकटतम वारिसान को प्रतिकर के रूप में 2,00,000/- रुपये दावा निपटान अधिकारी/कलेक्टर द्वारा मंजूर कर प्रतिकर राशि दावेदार को प्रदाय किये जाने हेतु स्वीकृति आदेश सहित वांछित दस्तावेज सामान्य बीमा परिषद् को प्रेषित किया गया है।

जिसमें से 2,00,000/- रुपये के मान से कुल 12 प्रकरणों में राशि 24,00,000 का प्रतिकर राशि दावेदार को सामान्य बीमा परिषद् द्वारा भुगतान किया गया है, लाभान्वित लाभार्थी अंतर्गत केकती बाई पति स्व. विजय वर्मा, ग्राम हथमुड़ी तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा, बिमला साहू पति स्व. जगमोहन साहू वार्ड नं. 21 कुर्मी पारा बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा, उर्मिला भारती पति स्व. डीगलदास उर्फ सुनील भारती, ग्राम मुरकी (करही) तहसील व जिला बेमेतरा, पूर्णिमा निषाद पति स्व. घनश्याम निषाद, ग्राम टोहड़ीकांपा तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा, सुमन पाटले पति स्व. रघुवंशमणी पाटले, ग्राम पेण्ड्री तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा, चितरेखा निषाद पति स्व. लेखराम निषाद, ग्राम टोहड़ीकांपा तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा, गंगोत्री यादव पति स्व. सूरज कुमार यादव, ग्राम रजकुड़ी तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा, सावित्री वर्मा पति स्व. संजय वर्मा, ग्राम कोबिया तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा, भारती यादव पति गिरेन्द्र यादव, को लाभान्वित किया गया।

जशपुर में गोमांस की बेचने वाले दो भाई पकड़ाए, खरीदारों को भी किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गोमांस बिक्री का मामला सामने आया है। यहां दो सगे भाइयो ने एक बछड़े को मार दिया और उसका मांस बेचने लगे। दो लोगों ने इसका मांस खरीदा भी। इस बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रेड की और मौके से 5 किलो गौमांस, टांगी, छुरी, नगदी 400 रुपा एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जब्त किया। इस मामले में पुलिस मांस बेचने वाले दो भाई व मांस खदीदने वाले दो लोगों सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 एवं बीएनएस की धारा 325, 3(5) के तहत कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार 25 दिसंबर 2024 को थाना नारायणपुर को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम रानीकोम्बो घांसीडीपा के झमन सन्यासी एवं नरेन्द्र सन्यासी दोनों भाई मिलकर अपने घर में एक गौ-वंश का क्रूरतापूर्वक वध करके उसका मांस को खाने एवं विक्रय करने के उद्देश्य से रखे हैं। सूचना पर तत्काल थाना नारायणपुर से उप निरीक्षक शिव कुमार यादव ने अपनी टीम के साथ मुखबिर के बताए अनुसार झमन सन्यासी एवं नरेन्द्र सन्यासी के घर में दबिश दी। झमन सन्यासी एवं नरेन्द्र सन्यासी दोनों मिले एवं वहां पर एक बछिया को काट कर मांस को खाने व विक्रय करने के लिये रखना पाया गया।

पूछताछ करने पर उक्त गौ मांस में से 01 किलो जगरनाथ विश्वकर्मा को एवं 01 किलो धनकुंवर मिंज को 200-200 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बेचना बताया। पुलिस द्वारा उपरोक्त दोनों आरोपियों से गौ मांस, घटना में प्रयुक्त टांगी, छुरी एवं विक्रय से प्राप्त रकम कुल 400 रुपए जब्त किया। साथ की इनकी निशानदेही पर जगरनाथ विश्वकर्मा एवं धनकुंवर मिंज को मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 सीडी 4289 से घर जाने के दौरान रास्ते में पकड़ लिया। दोनों ने मांस खरीदना स्वीकार किया। इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक शिव कुमार यादव, महिला प्रधान आरक्षक अल्पना तिर्की, प्रधान आरक्षक अजय कुजूर, आरक्षक प्रदीप भगत, योगेश भगत, नगर सैनिक विरेन्द्र भगत, सैनिक अमित तिर्की का विशेष योगदान रहा है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

अम्बेडकर अस्पताल में ओपन हार्ट सर्जरी की सुविधा शुरू, 50 साल की महिला की हुई सफल सर्जरी

शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत निः शुल्क मिली सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट सर्जरी विभाग के कुशल डॉक्टरों की टीम ने 50 वर्षीय महिला की सफल ओपन हार्ट सर्जरी कर मरीज को नया जीवन दिया है। हार्ट सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू के नेतृत्व में यह सफल ऑपरेशन किया गया। सर्जरी के बाद महिला की हालत ठीक है तथा वह अभी डॉक्टरों की देखरेख में है। मरीज का वाल्व रिप्लेसमेंट हुआ है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राज्य के निवासियों को नए वर्ष के आगमन पर ओपन हार्ट सर्जरी सुविधा की शुरुआत के लिए अस्पताल प्रबंधन को अपनी तरफसे शुभकामनाएं दी हैं। श्री जायसवाल ने कहा है कि बहुत जल्द ही यहां बाईपास सर्जरी की शुरुआत भी होगी।

महासमुंद निवासी 50 वर्षीय महिला मरीज को लगभग तीन साल से सांस फूलने की शिकायत थी। थोड़ा भी काम करने से हृदय की धड़कन बढ़ जाती थी जिसे हार्ट पल्पिटेशन कहा जाता है। अपनी इन्हीं समस्याओं के साथ महिला अम्बेडकर अस्पताल के एडवांस्ड कार्डियक इंस्टीट्यूट के हार्ट सर्जरी विभाग में डॉ. कृष्णकांत साहू के पास पहुंची। उन्होंने मरीज की पूरी जांच की। जाँच में पता चला कि हार्ट के वाल्व में सिकुड़न है और एक वाल्व में लीकेज है। हार्ट का वाल्व इतना सिकुड़ गया था कि इनको डॉक्टर ने 3 साल पहले ही ऑपरेशन की सलाह दी थी मगर ओपन हार्ट सर्जरी का नाम सुनकर मरीज तथा उसके परिवार के लोग घबरा गए और उस वक्त उन्होंने ओपन हार्ट सर्जरी करवाने से मना कर दिया फिर उसके बाद समस्या बढ़ती गई और मरीज पुनः एक बार फिर डॉ. कृष्णकांत साहू के पास पहुंची, जहां पर उन्होंने ने महिला को ओपन हार्ट सर्जरी से संबंधित सभी जानकारी दी। उनकी काउंसलिंग की। सर्जरी के पश्चात स्वास्थ्य में होने वाले सुधार के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. कृष्णकांत साहू ने मरीज की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर को केस की गंभीरता तथा ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता के बारे में बताया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल के निर्देश पर तत्काल कार्डियक एनेस्थेटिस्ट, परफ्यूजनिस्ट तथा अन्य मानव संसाधन की व्यवस्था की गई । अंततः 26 दिसंबर को मरीज की ओपन हार्ट सर्जरी की गई तथा मरीज के हृदय में कृत्रिम वाल्व का प्रत्यारोपण किया और एक वाल्व को रिपेयर किया। इस ऑपरेशन को मेडिकल भाषा में माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट बाय यूजिंग बाईलीफ्लेट मैटेलिक प्रोस्थेटिक वाल्व प्लस ट्राईकस्पिड वाल्व रिपेयर अंडर हार्टलंग मशीन कहा जाता है।

डॉ. कृष्णकांत साहू ने मरीज की वर्तमान हालत के संबंध में जानकारी देते हुए बताया की मरीज ने आज सुबह का नास्ता, दोपहर का लंच तथा रात का खाना अपने हाथों से खाया। मरीज की हालत में लगातार सुधार है। मरीज का ऑपरेशन करने वाली टीम में हार्ट सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू, कार्डियक एनेस्थेटिस्ट डॉ. वरुण, परफ्यूजनिस्ट राहुल और डिगेश्वर तथा नर्सिंग स्टाफ में राजेंद्र, नरेंद्र एवं चोवा राम शामिल रहे।

सरकार ने कर्मचारियों को दी सौगात, मासिक भत्तों में किया संशोधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कर्मचारियों के हितों को ध्यान रखते हुए मासिक भत्तों में संशोधन किया गया है। इससे कर्मचारियों का कार्य प्रदर्शन बेहतर हो सकेगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के विभिन्न सरकारी कर्मचारियों के यात्रा भत्ते की मासिक दरों में संशोधन किया है। इस संबंध में वित्त विभाग द्वारा जारी किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा संशोधित भत्ते के लिए राजस्व निरीक्षकों, विक्रय अमीन, सहायक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (ग्राम सेवक), सहायक विकास विस्तार अधिकारी, पशु चिकित्सा के क्षेत्र सहायक, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के हैंड पंप तकनीशियनों को शामिल किया गया है। उनको वर्तमान दर 350 रुपए प्रति माह को संशोधित कर 1200 रुपए प्रति माह यात्रा भत्ता दिया जाएगा। इसी तरह जिला और तहसील स्तर के राजस्व विभाग के भृत्य एवं जमादार,वन विभाग और राजस्व विभाग के चेन मैन, न्यायिक एवं वाणिज्यक कर विभाग के प्रोसेस सर्वर तथा ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत पटवारियों के वर्तमान दर 300 रुपए प्रति माह में संशोधन कर 1000 रुपए प्रति माह यात्रा भत्ता दिया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा यह संशोधन कर्मचारियों के कामकाज को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। आदेश के अनुसार यात्रा भत्ता के अन्य शर्तें एवं नियम यथावत रहेंगे। यह संशोधन आदेश दिनांक से प्रभावशील होगा।

जशपुर एडवेंचर टूरिज्म का नया केंद्र: छात्रों को मिला रोमांचक और शैक्षिक अनुभव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जशपुर जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक पहल हो रही है। यह जिला अब न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। इसी कड़ी में कैरियर प्वाइंट वर्ल्ड स्कूल, बिलासपुर के आउटडोर क्लब के छात्रों ने 23 से 27 दिसंबर 2024 तक जशपुर के देश देखा क्लाइम्बिंग सेक्टर का दौरा किया।

इस दौरान छात्रों ने रॉक क्लाइम्बिंग, कैंपिंग, हाइकिंग और एग्रो टूरिज्म जैसी रोमांचक गतिविधियों में भाग लिया, जो उनकी वार्षिक आउटडोर वर्कशॉप का हिस्सा थीं। इस ट्रिप का उद्देश्य छात्रों को प्रकृति के करीब लाना और उनके नेतृत्व, टीम वर्क और आत्मनिर्भरता जैसे कौशल विकसित करना था।

ट्रिप के दौरान छात्रों ने जशपुर के जनजातीय उद्यमियों से मुलाकात की और उनके प्राकृतिक उत्पादों के बारे में सीखा। छात्रों ने जशप्योर ब्रांड के तहत तैयार किए गए व्यंजनों का आनंद लिया और स्थानीय गाइड्स से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की।

देश-देखा क्लाइम्बिंग सेक्टर, छत्तीसगढ़ क्लाइम्बिंग इनिशिएटिव के तहत विकसित किया गया है और घूमंतू टूर्स और जशप्योर जैसे स्थानीय सहयोगियों द्वारा समर्थित है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को एडवेंचर गतिविधियों के प्रति आकर्षित करना और इसे करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है। जशपुर के इस पहल से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिला है।

बल्कि स्थानीय समुदायों को भी आर्थिक सहारा मिल रहा है। समिति के अध्यक्ष विपिन जी ने बताया कि देश-देखा क्लाइम्बिंग सेक्टर बनने के बाद से स्थानीय महिलाओं को दोना-पत्तल बेचकर आजीविका का साधन मिला है और गांव को परमिट से अतिरिक्त आय हो रही है।

प्रदेश के नौ और स्वास्थ्य संस्थाओं को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य मंत्री ने दी बधाई

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने नवंबर-दिसंबर माह में अस्पताल का किया था मूल्यांकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले राज्य के नौ स्वास्थ्य केन्द्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS – National Quality Assurance Standard) प्रमाण-पत्र प्रदान किया है। इनमें जांजगीर चांपा, सूरजपुर, महासमुंद, दुर्ग व बिलासपुर के स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों पर खरे उतरने वाले स्वास्थ्य केन्द्रों को एनक्यूएएस प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र हासिल करने वाले इन सभी अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टॉफ को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरन्तर जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि ये अस्पताल आगे भी अपनी उत्कृष्टता बरकरार रखते हुए मरीजों की सेवा करेंगे और प्रदेश के दूसरे अस्पतालों के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेंगे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने इस साल नवम्बर में इन नौ स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया था। टीम ने इस संबंध में मरीजों से भी फीडबैक लिया था। टीम के मूल्यांकन में सूरजपुर जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चुंगड़ी को 86.65 प्रतिशत, उप स्वास्थ्य केन्द्र पाकनी को 86.43 प्रतिशत, पालदा को 84.11 प्रतिशत व जाजावल को 80.44 प्रतिशत, जांजगीर चांपा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलई को 88.22 प्रतिशत व आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र सुकुलपारा को 88.57 प्रतिशत, महासमुंद जिले के उपस्वास्थ्य केन्द्र सोनासिल्ली को 87.32 प्रतिशत, दुर्ग जिले के उप स्वास्थ्य केन्द्र कोड़िया को 82.50 प्रतिशत व बिलासपुर जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र लुफा को 83.83 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इनमें उपलब्ध सेवाएं, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किए जाते हैं।

महतारी वंदन योजना से लाभार्थी कंचन और रेखा सशक्त भविष्य की ओर बढ़ा रही कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कंचन और रेखा सशक्त भविष्य की ओर बढ़ा रही कदमरोजी मजदूरी करके जीवन यापन करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए महतारी वंदन योजना एक संजीवनी का काम कर रही है। इस योजना के माध्यम से उन्हें प्रतिमाह वित्तीय समर्थन मिल रहा है, जिससे वे अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा और परिवार के स्वास्थ्य पर भी ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। यह योजना न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद कर रही है, बल्कि उनके जीवन को सशक्त और समृद्ध बनाने का एक मार्ग भी प्रदान कर रही है।

कोरबा जिले के भैंसमा गांव की कंचन बाई यादव के जीवन में महतारी वंदन योजना का लाभ मिलने से उनके जीवन की आर्थिक परेशानियां कम हुई हैं। पहले जहां रोजी-रोटी की संघर्ष में परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी करना भी चुनौतीपूर्ण था, वहीं अब महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक सहायता ने कंचन बाई को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाने का अवसर दिया है। लाभार्थी कंचन बाई के परिवार में उनके पति श्री शिव यादव सहित कुल 5 सदस्य हैं। उनके पति घरेलू खेती किसानी और मेहनत-मजदूरी से परिवार का आजीविका चलाते है, लेकिन परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी करना हमेशा मुश्किल रहता था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता ने उनके जीवन में बदलाव लाया है। अब कंचन बाई का परिवार न केवल आर्थिक दृष्टि से सशक्त हो रहा है। कंचन अब न केवल अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कर पा रही हैं, बल्कि घर के खर्चों को भी आसानी से पूरा कर रही हैं। साथ ही बैंक में बचत राशि जमा कर परिवार के बेहतर भविष्य के लिए सुरक्षित वित्तीय आधार तैयार कर रही हैं। वह कहती हैं, पहले जीवन संघर्ष से भरा हुआ था, लेकिन इस योजना ने मेरी परेशानियों को काफी कम कर दिया है। अब मेरे परिवार को बेहतर जीवन जीने का मौका मिल रहा है। महतारी वंदन योजना ने न सिर्फ कंचन बाई के परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है, बल्कि उनके जीवन में एक नई उम्मीद और आत्मविश्वास का संचार किया है। अब कंचन का सपना अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने और बेहतर भविष्य बनाने का सपना अब हकीकत बनता दिख रहा है।

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के ग्राम सारबहरा की निवासी 42 वर्षीय रेखा अत्यंत गरीब परिवार की है। एकमात्र छोटे से टेलरिंग की दुकान के भरोसे घर गृहस्थी का काम चला रही रेखा को जब से महतारी वंदन की राशि मिलना शुरू हुआ है।

अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ ने बिलासपुर के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पहुंचकर आईटीएमएस प्रोजेक्ट का किया मुआयना

कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पहुंचे, प्रभारी सचिव ने ट्रैफिक और सुरक्षा के प्रयास को सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपर मुख्य सचिव गृह एवं जेल तथा जिले के प्रभारी सचिव मनोज कुमार पिंगुआ ने कलेक्टर अवनीश शरण और एसपी रजनेश सिंह के साथ कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बिलासपुर का मुआयना कर सेंटर और आईटीएमएस की पूरी कार्यप्रणाली व संचालन को देखा। इस दौरान अपर मुख्य सचिव पिंगुआ ने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में लगे स्क्रीन के ज़रिए पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया। पिंगुआ ने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को उपयोगी बताते हुए इसकी कार्यप्रणाली की सराहना की।

कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में संचालन की पूरी प्रक्रिया को नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने विस्तार से बताया। इस दौरान प्रभारी सचिव पिंगुआ को ट्रैफिक नियम तोड़े जाने पर चालान और ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए सेंटर के उपयोग की जानकारी दी गई। श्री पिंगुआ ने चौक में लगे विशेष प्रकार के कैमरों को मूवमेंट कराने को कहा,जिस पर विशेषज्ञों ने कैमरों को चारों तरफ घुमाकर दिखाया। प्रभारी सचिव ने आपातकालीन स्थिति और बड़े अवसरों पर इस व्यवस्था का और भी बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव श्री पिंगुआ ने आईटीएमएस प्रोजेक्ट के तहत बिलासपुर जिले में शिक्षा का स्तर सुधारने संचालित मिशन 90 प्रोजेक्ट की भी सराहना की। इसके अलावा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की मॉनिटरिंग को भी उहोंने देखा। आज निरीक्षण में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल,एसडीएम श्री पीयूष तिवारी,जीएम आईटी वाय.श्रीनिवास और स्मार्ट सिटी की टीम उपस्थित थी।

बिलासपुर में मिशन 90

जिले में शिक्षा और परिणाम का स्तर सुधारने के लिए कलेक्टर श्री अवनीश शरण द्वारा किए जा रहे प्रयास के तहत मिशन 90 शुरू किया गया है। बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के आईटीएमएस प्रोजेक्ट के तहत टीम द्वारा एक एप तैयार किया गया है,जिसका नाम मिशन 90 रखा गया है। इस एप में जिले के सभी स्कूल,शिक्षक और छात्रों का डाटा अपलोड किया गया है,जिसके ज़रिए शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति एवं शैक्षणिक गतिविधियों का विश्लेषण किया जा रहा है। स्कूलों में होने वाले यूनिट टेस्ट,तिमाही,छमाही,प्री बोर्ड और अंतिम परीक्षा के परिणाम इसमें फीड किए जाएंगे,जिसके बाद विश्लेषण के आधार पर कमजोर और बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूल,शिक्षक और छात्रों का डाटा उपलब्ध होने पर बेहतर करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इस सत्र से प्रारंभ किए गए इस एप में यूनिट टेस्ट के परिणाम फीड किए गए है। श्री पिंगुआ ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए आने वाले समय के लिए इसे मील का पत्थर बताया।

एमडी अमित कुमार ने बताया कि इस कमांड सेंटर से शहर के सभी स्ट्रीट लाइटों की मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए एप्लीकेशन तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में स्ट्रीट लाइट खराब या बंद होने पर रात में मॉनिटरिंग टीम नोट करती है फिर सुबह दूसरी टीम उसे ठीक करती है। एप के जरिए मॉनिटरिंग करने से उसमें फीड डाटा के आधार पर स्ट्रीट लाइट की मरम्मत का काम त्वरित गति से हो सकेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950